राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 01 मार्च 2025 वर्ष-8,अंक-13 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आइए, हम सभी संवेदनशील न्याय प्रणाली पर आधारित विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हों

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मूर्मू की अध्यक्षता में (एनएफएसयू) का तीसरा दीक्षांत समारोह संपन्न

गांधीनगर ।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु की अध्यक्षता में शुक्रवार को गांधीनगर में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) का तीसरा दीक्षांत समारोह आयोजित हुआ। इस अवसर पर गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी उपस्थित रहे। दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति ने विभिन्न पाठ्यक्रमों के कुल 1562 छात्रों को उपाधि प्रदान की। जिनमें 12 छात्रों को डॉक्टरेट ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी), एक छात्र को डॉक्टरेट ऑफ लॉ (एलएलडी) और अन्य छात्रों को डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर और स्नातकोत्तर डिप्लोमा की डिग्री प्रदान की गई। इसके अलावा, राष्ट्रपति ने तेजस्वी छात्रों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने एनएफएसयू के तीसरे दीक्षांत समारोह में डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने डिग्री प्राप्त करने में सफल रहे छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि, ÷आइए, हम सभी संवेदनशील न्याय प्रणाली पर आधारित विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हों।÷ राष्ट्रपति ने वर्तमान दौर में पूरी दुनिया में बढ़ रहे फोरेंसिक विज्ञान के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि दुनिया के इस श्रेष्ठ विश्वविद्यालय से आज 15 देशों के 70 से अधिक छात्रों ने भी डिग्री प्राप्त की है। इतना ही नहीं, इस विश्वविद्यालय में सिविल सेवा, भारतीय पुलिस सेवा, फाइनेंस, बैंकिंग और न्यायपालिका सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लगभग 30,000 अधिकारियों को भी प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने कहा कि अपराधियों पर नियंत्रण और कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति को शीघ्र और सुलभ न्याय दिलाने में एनएफएसयू की भूमिका महत्वपूर्ण है। देश में फोरेंसिक विज्ञान पर आधारित इकोसिस्टम को सदृढ़ करने के लिए मिशन मोड पर काम हो रहा है, इसके लिए राष्ट्रपति ने गृह मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय को बधाई दी। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों से यह अनुरोध किया कि वे विज्ञान और टेक्नोलॉजी के माध्यम से त्वरित और सुलभ न्याय प्रक्रिया के लिए अपने ज्ञान का समुचित उपयोग करें। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और त्वरित न्याय आपका लक्ष्य होना चाहिए। राष्ट्रपति ने 1 जुलाई, 2024 को भारत के इतिहास का अति महत्वपूर्ण दिन बताते हुए कहा कि इस दिन दंड के बजाय न्याय पर आधारित तीन नए आपराधिक कानूनों को लागू किया गया था। जिनमें भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023, भारतीय न्याय संहिता-2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम-2023 शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सात वर्ष या उससे अधिक की सजा वाले अपराधों में फोरेंसिक विशेषज्ञ द्वारा अपराध की जांच को अनिवार्य करने के कारण इस क्षेत्र के विशेषज्ञों की तत्काल आवश्यकता उत्पन्न होगी। इस आवश्यकता को एनएफएसयू-गांधीनगर पूरा करेगा। राष्ट्रपति ने कहा कि अपराधों पर नियंत्रण, अपराधियों में सजा का भय और नागरिकों में त्वरित न्याय मिलने का विश्वास ही सुशासन की सच्ची पहचान है। उन्होंने कहा कि आज हम विरासत और विकास को जोड़कर विकसित भारत का निर्माण करने जा रहे हैं, जिसमें इस विश्वविद्यालय के छात्रों का भी योगदान होगा। उन्होंने डिग्री प्राप्त करने वाले सफल छात्रों में छात्राओं की संख्या अधिक होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। राष्ट्रपति ने न्याय प्रक्रिया में विलंब के अनेक कारणों में तेजी से विश्लेषण और परीक्षण नहीं होने के एक कारण को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने विश्वास

व्यक्त किया कि राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय के माध्यम से इस प्रक्रिया में तेजी आएगी। राष्ट्रपति ने अपराधियों की नई-नई तकनीकों के खिलाफ अधिक क्षमता के साथ सुसज्जित होने का सभी से अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि ऐसी तैयारी से ही अपराधी अपराध करने से डरेंगे। इतना ही नहीं, इससे न्याय प्रक्रिया में और अधिक तेजी आएगी। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

माणा के पास ग्लेशियर टूटने से 57 मजदूर दबे, 16 मजदूरों को बचाया गया

प्रशासन और बीआरओ की टीम मौके पर पहुंची

चमौली । उत्तराखंड के चमौली में लगातार भारी बर्फबारी के बीच बद्रीनाथ धाम से 3 किलोमीटर आगे माणा के पास ग्लेशियर टूटने की खबर आ रही है। वहीं, माणा के करीब सड़क सुधारीकरण और सड़क से बर्फ को हटाने के काम में लगे हुए एक निजी ठेकेदार के 57 मजदूरों के ग्लेशियर के नीचे दबने की सूचना मिली है। हालांकि खबरों में बताया गया हैं कि 16 मजदूरों को अभी तक बचाया गया है। दरअसल, भारी बर्फबारी के कारण ग्लेशियर टूटने की सूचना मिली है। इसमें 57 मजदूर बर्फ के नीचे दब गए है। जबकि अभी तक 16 मजदूरों को बचाया गया है। वहीं, घटना में बीआरओ के कैंप को भी क्षति पहुंचने की आशंका है। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन और बीआरओ की टीम मौके पर पहुंच गई है। सचिव आपदा प्रबंधन विनोद सुमन ने बताया कि बर्फ गिरने के बाद 57 मजदूर दब गए है, हालांकि 16 को बचा लिया गया है। वहीं, बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन बीआरओ के कमांडर अंकुर महाजन ने कहा कि माणा गांव से करीब 1 किलोमीटर पहले आर्मी कैंप से ठीक पहले माणा पास को कटने/ जाने वाली सड़क में शुकवार सुबह 8:00 बजे पहाड़ी से एवलांच यानी ग्लेशियर आने की सूचना मिली। कमांडर महाजन ने कहा कि वहां पर एक निजी ठेकेदार के 57 मजदूर कैंप बना कर रह रहे थे। लेकिन कितने दबे हैं, इसकी अभी कोई पुख्ता जानकारी नहीं मिल पाई है।

अब पंजाब में भी चला बुलडोजर, ड्रग तस्कर का घर किया जमींदोज

चंडीगढ़।

पंजाब की आप सरकार भी बुलडोजर ऐक्शन में आ गई है। राज्य के पटियाला में एक ड्रग तस्कर के खिलाफ बुलडोजर की कार्रवाई की गई। खास बात है कि पंजाब के सीएम भगवंत मान ने ड्रग्स के खिलाफ मुहिम तेज कर दी है। वह शुक्रवार को पंजाब के पुलिस अधिकारियों से इस संबंध में बात की। रिपोर्ट के मुताबिक पंजाब सरकार ने पटियाला के रोरी कूट मोहल्ला लक्कड़ मंडी में बने ड्रग तस्कर रिंकी के मकान को जमींदोज कर दिया। सोमवार को भी इसी तरह की कार्रवाई ड्रग तस्कर सोनू और राहुल हंस के खिलाफ की गई थी। इसके अलावा पुलिस ड्रग के सौदागरों की संपत्तियां भी अटैच कर रही है। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि साल 2016 से लेकर 2023 के बीच रिंकी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत 10 से ज्यादा एफआईआर दर्ज हैं। पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने की कई बार कोशिशें की, लेकिन वह चकमा देकर फरार हो जाता है। पुलिस का कहना है कि इस घर को ड्रग्स बेचकर की गई कमाई से बनाया गया था। साथ ही इसके आसपास भी कुछ पैडलर्स रहते हैं। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस ने कार्रवाई से पहले भारी बल तैनात कर दिया था। वहीं दूसरी ओर रूपनगर में जिला पुलिस और प्रशासन ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए सलीम और उसकी पत्नी आशा के नशा तस्करों के अवैध रूप से बने घर को गिरा दिया।

यमुना सफाई का केंद्र ने बनाया मास्टर प्लान, चार तत्व किए शामिल

-पीएम नरेंद्र मोदी की मंजूरी के लिए होगा पेश, फिर शुरु होगा काम

नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना नदी को साफ करने के लिए केंद्र सरकार ने 'यमुना मास्टर प्लान' तैयार किया है, जिसे जल्द ही पीएम मोदी की मंजूरी के लिए पेश किया जाएगा। इस योजना को जल शक्ति मंत्रालय ने विशेषज्ञों के परामर्श से तैयार किया है, जिन्होंने गुजरात में साबरमती रिवरफ्रंट जैसी परियोजनाओं पर काम किया था। यमुना सफाई परियोजना में चार महत्वपूर्ण तत्व शामिल किए गए हैं जिसमें कचरे और कीचड़ का निष्कासन, प्रमुख नालों की सफाई, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की निगरानी और विस्तार, यमुना किनारे सौंदर्यीकरण और संरक्षण कार्य। दिल्ली में नई बीजेपी सरकार बनने के बाद सीएम रेखा गुप्ता ने वसुदेव घाट पर यमुना आरती कर सफाई अभियान की शुरुआत की। वहीं, आम आदमी पार्टी और बीजेपी के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी चला। आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया कि हरियाणा सरकार जानबूझकर दिल्ली की जल आपूर्ति बाधित कर रही है, जिससे यमुना में प्रदूषण बढ़ रहा है। हरियाणा सरकार ने इन आरोपों का खंडन किया। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दिल्ली की नई परिस्थितियों को देखते हुए यमुना सफाई योजना के बेहतर क्रियान्वयन की संभावना है। कोर्ट ने इसे लेकर केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर काम करने की सलाह दी।

प्रयागराज महाकुंभ के चलते इस साल काशी पहुंचे चार करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु

धार्मिक पर्यटन और कारोबार में आया उछाल, होटल-ढाबों ने की कमाई

वाराणसी।

इस साल काशी में भक्तों की बाढ़ सी आ गई है। बीते 45 दिनों तक चले महाकुंभ के कारण कुल 4.32 करोड़ श्रद्धालु काशी पहुंचे, जिससे धार्मिक पर्यटन और कारोबार में जबरदस्त उछाल नजर आया। 150 करोड़ के रुद्राक्ष और कुबेर, 30 करोड़ के चंदन के टीके बिके। इस दौरान 100 करोड़ के रुद्राक्ष और 50 करोड़ के कुबेर बिके। भक्तों ने 30 करोड़ के चंदन के टीके लगाए, जो श्रद्धालुओं की गहरी धार्मिक आस्था को दर्शाता है। बाबा विश्वनाथ धाम में हर रोज़ औसतन 5 लाख लोग दर्शन पहुंचे। पहली बार महाशिवरात्रि पर 43 घंटे तक बाबा विश्वनाथ के दर्शन होते रहे। पिछले साल 8 मार्च 2024 को 11.55 लाख श्रद्धालु काशी पहुंचे थे, लेकिन इस बार यह संख्या बढ़कर 25 लाख हो गई है। एक लाख से ज्यादा विदेशी श्रद्धालु यहां आए। भारत के 24 राज्यों से लाखों श्रद्धालु काशी आए, जिनमें मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, केरल,

आंध्र प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड प्रमुख रहे। नो-व्हीकल जोन लागू होने से 5-स्टार और 3-स्टार होटलों ने बाइक से कस्टमर्स को लाने-ले जाने की सुविधा दी।

दिल्ली पुलिस ने निजामुद्दीन इलाके से एक संदिग्ध आतंकवादी परवेज को उठाया

नई दिल्ली ।

कश्मीर और दिल्ली पुलिस ने निजामुद्दीन इलाके में स्थित फजार रेजीडेंसी और गेस्ट हाउस से एक संदिग्ध आतंकवादी परवेज अहमद खान को गिरफ्तार किया। फजर रेजीडेंसी के मैनेजर मोहम्मद शमी ने बताया कि एक रात पहले कश्मीर और दिल्ली पुलिस आई थी। हमारे एक कमरे में दो मेहमान ठहरे थे, एक का नाम परवेज और दूसरे का नाम फारुक था। पुलिस ने परवेज को होटल के बाहर से उठाया।

फजर रेजीडेंसी के मैनेजर ने दावा किया कि ये दोनों कश्मीर से हैं। परवेज ने बताया था कि वह घूमने के लिए दिल्ली आये थे। 12 फरवरी की रात करीब 11 बजे परवेज आया। उसका दोस्त फारुक अभी भी हमारे कमरे में रहता है।

हमें नहीं पता कि वह 12वीं से 26वीं तारीख तक कहां गए। हमें नहीं पता कि वह कहां जाता था और क्या करता था। हमारे गेस्ट हाउस में भी कोई उनसे मिलने नहीं आया। अगर कोई आता है तब उसके लिए हमारे पास विजिटर एंट्री होती है।

परवेज़ के एक कारोबारी दोस्त मोहम्मद फारुक ने कहा कि मैं परवेज को 5-6 साल से जानता हूँ, मेरा उससे आर्थिक लेन-देन है। हमारा शॉल का कारोबार है। उन्होंने बताया कि जब पुलिस आई तब मुझे और परवेज़ को थाने ले गई, हम दोनों से पूछताछ की गई, पूछताछ के बाद कश्मीर पुलिस परवेज को ले गई और मुझे छोड़ दिया। मुझे कभी नहीं लगा कि वह किसी आतंकवादी गतिविधि में शामिल था।

मैं सारी फाइलें फेंक दूंगा, वकीलों से क्यों नजारा होकर बोले मीलोर्ड

रोज इस तरह की अनुशासनहीनता देख-देख कर तंग आ गए

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ जज जस्टिस अभय एस ओका शुक्रवार सुनवाई के बीच तब भड़क गए, जब एक साथ कई वकीलों ने बोलना शुरू कर अपनी-अपनी दलीलें पेश करने लगे। यह देखकर जस्टिस ओका ने वकीलों को शांत रहने और बारी-बारी से दलीलें देने को कहा, लेकिन वकील इस पर भी बाज नहीं आए। यह देखकर जस्टिस ओका वकीलों पर भड़क गए और कहा कि वे इस तरह की अनुशासनहीनता देख-देख कर तंग आ गए हैं।

जस्टिस ओका ने कहा, ÷हम रोज इस तरह की अनुशासनहीनता देखते हैं... और जब हम वकीलों से पूछते हैं कि वे किसके लिए पेश हो रहे हैं, तब उनकी ओर से कोई जवाब नहीं मिलता।÷ जस्टिस ओका ने इसके बाद मौखिक रूप से टिप्पणी की कि यही जारी रहा तब मैं सारी फाइलें फेंक दूंगा।

इसी बीच, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने अदालत को बताया कि हंगामे में

कई दखलंदाज लोग शामिल हैं, जो मामले को अदालत से बाहर करवाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह बिल्कुल सच है। यह मामले को खत्म करवाने की उनकी रणनीति का हिस्सा है। जिनके मामले सूचीबद्ध हैं, वे अदालत में अपनी दलील देने में सक्षम नहीं हैं और जो लोग मामले से जुड़े नहीं है वे दखलंदाजी दे रहे हैं। इस पर जस्टिस ओका ने कहा, हम हर रोज यह अनुशासनहीनता देखते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस ओका ने कहा कि ऐसी अनुशासनहीनता हम केवल सुप्रीम कोर्ट में ही देखते हैं। उन्होंने कहा, मैं बॉम्बे हाई कोर्ट, कर्नाटक हाई कोर्ट में भी रह चुका हूं लेकिन वहां इस तरह की अनुशासनहीनता कभी नहीं देखी।

जस्टिस ओका ने कहा, अगर ऐसा ही होता रहा, तब हमें भी इसतरह के मामलों से निपटना आता है। बता दें कि जस्टिस ओका 29 अगस्त, 2003 को बॉम्बे हाई कोर्ट में अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत हुए थे। बाद में 12 नवंबर 2005 से वह स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किए गए। करीब 14 साल बाद उन्होंने 10 मई 2019 को कर्नाटक हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली और 31 अगस्त 2021 को सुप्रीम कोर्ट के जज बनाए गए। इस साल मई में वह रिटायर हो रहे हैं।

संभल में शाही जामा मस्जिद में नहीं होगी रंगाई-पुताई

संभल।

उत्तर प्रदेश के संभल में विवादित धर्मस्थल शाही जामा मस्जिद की रंगाई-पुताई नहीं होगी। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने शुक्रवार को बड़ा फैसला दिया है। एएसआई की टीम को केवल सर्वेक्षण और सफाई करने की अनुमति दी गई है। कोर्ट के निर्देश पर 3 सदस्यीय टीम मस्जिद के सर्वे के लिए पहुंची थी, सर्वे टीम ने यहां अपनी रिपोर्ट पेश की है। इस रिपोर्ट के आधार पर हाई कोर्ट ने रंगाई-पुताई नहीं करने का फैसला दिया है। दरअसल, संभल मस्जिद समिति की ओर से इलाहाबाद हाई कोर्ट में एक सिविल रिवीजन याचिका दाखिल हुई थी। इसमें मस्जिद में रंगाई-पुताई कराने की अनुमति मांगी गई थी। इस पर अदालत ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया था। मस्जिद कमेटी से साफ तौर पर कहा कि वे इस समय केवल सफाई कार्य करवा सकते हैं। एएसआई ने कोर्ट को अपनी जॉइंट इंस्ट्रक्शन रिपोर्ट सौंप कर बताया कि मस्जिद की वर्तमान स्थिति में किसी भी तरह की रंगाई-पुताई की जरूरत नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार मस्जिद में कोई ऐसी संरचनात्मक समस्या नहीं है, जिसके लिए मरम्मत या फिर रंगाई करने की आवश्यकता हो।

राजस्थान को कर्ज में डूबो गई कांग्रेस, हमारी सरकार इस कर्ज को उतारेगी

बजट चर्चा के दौरान सदन में हमलावार दिखी वित्त मंत्री दीया कुमारी

जयपुर ।

बजट चर्चा के दौरान राजस्थान की भजनलाल सरकार में वित्त मंत्री दीया कुमारी ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने प्रदेश को कर्ज में डूबो दिया लेकिन अब भाजपा सरकार इस कर्ज उतारेगी। मंत्री दीया कुमारी ने कहा कि कांग्रेस ने राजस्थान में हर व्यक्ति पर एक लाख रुपए का कर्ज चढ़ा दिया हैं, लेकिन अब प्रदेश में डबल इंजन की सरकार है। कांग्रेस राज का कर्ज अब हम उतारने वाले है।

उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार का बजट पूरी तरह से संतुलित और राज्य को विकास की ओर ले जाने वाला है। दीया कुमारी ने कहा कि कांग्रेस के सदस्यों ने हमारी सरकार पर झूठे आरोप लगाए। 4-4 महीने तक सामाजिक सुरक्षा पेंशन नहीं मिलने के आरोप लगाए गए लेकिन ये सब आरोप झूठे हैं। जनवरी तक पूरा भुगतान किया गया था।

दीया ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के पहले साल की तुलना भाजपा सरकार के पहले साल के कार्यकाल से की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज में केवल घोषणाएं हुआ करती थी लेकिन भाजपा शासन में प्रदेश में धरातल पर काम शुरु हो रहे हैं। गहलोत राज में 5 हजार से अधिक घोषणाएं की गई, जिसमें से आधी भी धरातल पर नहीं उतरी जबकि भाजपा सरकार ने पहले ही साल में 58 फीसदी घोषणाओं पर काम पूरा किया है। इस मौके पर सदन को वित्त मंत्री ने भजनलाल सरकार की एक साल की उपलब्धियां गिनाई। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने एक साल में 59 हजार से ज्यादा युवाओं को सरकारी नौकरी देकर नियुक्तियां दी। 1.73 लाख पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन है। कांग्रेस की गहलोत सरकार के अंतिम वर्ष की घोषणाओं से तीन गुना कार्य बीते एक साल में करने का दावा किया गया। इस दौरान वित्त मंत्री दिया कुमारी ने बताया कि सात जिलों में 330 करोड़ की पेयजल योजनाएं। 1870 करोड़ की 127 सड़क परियोजनाएं। भीलवाड़ा के शाहपुरा में औद्योगिक पार्क और लालसोट में वुडलैंड पार्क बनेगा। सौंध माटी आदि धरोहर प्रलेखन योजना, पर्यटन स्थलों के पास राजस्थानी पेंटिंग। अगले साल से यूथ फेस्टिवल और राजस्थान डिजिफेस्ट आयोजन होगा। जन समस्या समाधान सुझाने वालों को अटल इनोवेशन अवार्ड दिए जाएंगे। आइपीडी मरीजों के लिए सिंगल विंडो रजिस्ट्रेशन सिस्टम शुरू किया जाएगा।

बृजभूषण को बड़ी राहत, आपराधिक मुकदमे को वापस लेने का फैसला

लखनऊ । भारतीय जनता पार्टी के कद्दावर नेता और पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह को बड़ी राहत मिल गई है। यूपी की योगी सरकार की अर्जी के आधार पर अदालत ने उनके खिलाफ दर्ज आपराधिक मुकदमे को वापस लेने का फैसला किया है। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच का फैसला तब आया है,जब मुकदमा वापस करने संबंधी प्रार्थना पत्र को निचली अदालत ने खारिज किया गया था। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने सिंह को बड़ी राहत देकर उनके खिलाफ दर्ज आपराधिक केस को खत्म किया। हाई कोर्ट ने मुकदमे को वापस लेने के राज्य सरकार के प्रार्थना पत्र को मंजूर कर आदेश दिया। गौरतलब है कि बृजभूषण शरण के खिलाफ 2014 में गोंडा की कोतवाली नगर में आईपीसी की धारा 188 और 341 के तहत एफआईआर दर्ज हुई थी। बृजभूषण पर आरोप था कि लोकसेवक रहते हुए उन्होंने सीआरपीसी की धारा 144 का उल्लंघन किया है। मामले में पुलिस ने विवेचना के बाद कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल कर दिया था। आरोप पत्र दाखिल होने के बाद एसीजेएम प्रथम ने पूर्व सांसद को कोर्ट में पेश होने के लिए समन जारी किया था, जिसे बृजभूषण शरण सिंह ने चुनौती दी थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शून्य भेदभाव अभियान मिसाल नहीं, मशाल बनें

इक्कींसवी सदी का आदमी हवा में उड़ने लगा है, चांद पर चहलकदमी करने लगा है, ग्रह-नक्षत्रों की दुनिया में झांकने लगा है, यंत्र मानव का निर्माण करने लगा है, अपनी अधिकांश समस्याओं का समाधान कम्प्यूटर-कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) से पाने लगा है, लेकिन इंसान इंसान के बीच के भेदभाव को मिटाने की दिशा में अभी भी यथोचित सफलता नहीं मिली है। यही कारण है कि नस्लीय, लैंगिक, जातीय, भाषायी भेदभाव खड़े हैं। नस्लीय भेदभाव एक गहरा मुद्दा बना हुआ है जो अल्पसंख्यक समूहों को प्रभावित करता है। रूढ़िवादिता, पूर्वाग्रह और प्रणालीगत नस्लवाद असमान अवसरों, संसाधनों तक सीमित पहुंच और शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा में व्यापक असमानताओं का बड़ा कारण हैं।

(लेखक- ललित गर्ग / ईएमएस)

(शून्य भेदभाव दिवस- 1 मार्च, 2025)

दुनिया में भेदभाव की ऊंची-ऊंची दीवारों पर अमानवीयता, छूआछूत, अन्याय, शोषण, उत्पीड़न के काले अध्याय लिखे हैं, इनके खिलाफ़ लड़ाई के लिए बहुआयामी, उदार एवं मानवीय दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो मूल कारणों एवं जड़ों पर प्रहार करते हुए सामाजिक-राजनैतिक मानदंडों को चुनौती दे और पहचान के विभिन्न आयामों में समावेशिता और समानता को बढ़ावा दे। भेदभाव के विभिन्न रूपों के बारे में जागरूकता और समझ को बढ़ावा देकर, हम सभी के लिए एक अधिक न्यायपूर्ण और समतापूर्ण दुनिया बनाने की दिशा में काम कर सकते हैं। इसी उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र (यूएन) और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों द्वारा प्रत्येक वर्ष 1 मार्च शून्य भेदभाव दिवस मनाया जाता है, जो कोई प्रतीकात्मक उत्सव नहीं है, बल्कि सीमाओं, संस्कृतियों और समुदायों के बीच समानता की एक शक्तिशाली घोषणा है, इसे मिसाल नहीं, मशाल बनाना होगा। यह निष्पक्षता, समानता और सभी के लिए सम्मान के लिए लड़ने की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। शून्य भेदभाव दिवस-2025 की थीम है 'हम एक साथ खड़े हैं।' इसके द्वारा जातिवाद, रंगवाद, नस्लवाद, भाषावाद आदि विषमता एवं विसंगतिमूलक व्यवस्थाओं एवं सोच की जड़े हिलाई गयी है। दुनियाभर में इस क्रांतिकारी अभियान का मुक्तभाव से स्वागत हो रहा है।

इक्कींसवी सदी का आदमी हवा में उड़ने लगा है, चांद पर चहलकदमी करने लगा है, ग्रह-नक्षत्रों की दुनिया में झांकने लगा है, यंत्र मानव का निर्माण करने लगा है, अपनी अधिकांश समस्याओं का समाधान कम्प्यूटर-कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) से पाने लगा है, लेकिन इंसान इंसान के बीच के भेदभाव को मिटाने की दिशा में अभी भी यथोचित सफलता नहीं मिली है। यही कारण है कि नस्लीय, लैंगिक, जातीय, भाषायी भेदभाव खड़े हैं। नस्लीय भेदभाव एक गहरा मुद्दा बना हुआ है जो अल्पसंख्यक समूहों को प्रभावित करता है। रूढ़िवादिता, पूर्वाग्रह और प्रणालीगत नस्लवाद असमान अवसरों, संसाधनों तक सीमित पहुंच और शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा में व्यापक असमानताओं का बड़ा कारण हैं। इसी तरह लैंगिक पूर्वाग्रह और रूढ़िवादिता भेदभाव को बढ़ावा देती है, जिससे महिलाओं को अवसर वेतन में अंतर, सीमित करियर उन्नति और सामाजिक अपेक्षाओं का सामना करना पड़ता है जो उन्हें पारंपरिक भूमिकाओं तक सीमित कर देती हैं, जिससे उनकी स्वतंत्रता और क्षमता सीमित हो जाती है। उम्र के आधार पर भेदभाव युवा और बुजुर्ग दोनों को प्रभावित करता है। विभिन्न अध्ययनों और रिपोर्टों से वैश्विक स्तर पर संस्कृतियों एवं समाजों में भेदभाव के बारे में चिंताजनक आंकड़े मिलते है। भेदभाव के दुष्परिणाम व्यक्तिगत अनुभवों से कहीं आगे तक फैले हुए हैं, जो पूरे समुदाय को नकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं। भेदभाव सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को बढ़ावा देता है, जिससे पीढ़ियों तक नुकसान का चक्र चलता रहता है। जैसे-जैसे शून्य भेदभाव दिवस आंदोलन ने गति पकड़ी, भेदभाव के खिलाफ लड़ाई में मील के पत्थर हासिल होते गए, जिससे अधिक समावेशी भविष्य की उम्मीद जगी है।

महात्मा गांधी ने भारत में भेदभाव, ऊंच-नीच, छूआछूत की अमानवीता को न केवल धोया, बल्कि एक अधिक समानता एवं समतापूर्ण आदर्श-समाज व्यवस्था की नींव रखी। अगर गांधी ने अछूतोद्धार आन्दोलन नहीं चलाया होता, उनके कल्याण के लिए संघर्ष नहीं किया होता, उनकी बस्ती मे उनके साथ जाकर नहीं रहे होते तो ये हरिजन आज हीन एवं दीन ही बने रहते। जब गांधी के गुजरात का प्रमुख शहर, हीरों का विश्वभर में निर्यात करने वाला सूरत गन्दगी से सड़कर 卐प्लेग卐 से जूझ रहा था, तब देश के सबसे बड़े प्रान्त उत्तर प्रदेश में आन्दोलनकारियों पर गोली चलाई गई। जिसने राजघाट में सोयी उस आत्मा को पीड़ा से भर दिया। गांधी ने एक मुट्ठी भर नमक उठाया और करोड़ों लोगों ने मुट्ठियां तान दी थीं। चर्खे पर खादी का धागा काता और विदेशी कपड़ों की होली हर चौराहे पर जला दी। 卐करो या मरो卐 का नारा दिया और कितने ही वकील, डॉक्टर, अध्यापक, व्यापारी अपना पेशा छोड़कर मैदान में कूद पड़े। ऐसा चरित्र आज कहां? उनका व्यक्तित्व सुन्दर चमड़ी का नहीं था, उनकी छवि विदेशी कपड़ों से नहीं थी, उनके विचार आयात किए हुए नहीं थे। एक दुबला, पतला, लंगोटीधारी, जो भारत की धरती के लोगों के हृदय की भाषा बोलता था और इंसान इंसान को बांटने वाली हर दीवार को और हर भेदभाव को मिटाता चला गया। आज तो नेता समस्याओं को सड़ा रहे हैं-- समाधान नहीं दे रहे हैं। लोगों का विश्वास टूट रहा है।

भेदभाव के खिलाफ लड़ाई गांधी जैसे अनेक विश्व व्यक्तित्वों के अथक प्रयासों से प्रेरित हैं, जिनकी न्याय और समानता के प्रति प्रतिबद्धता ने वैश्विक मंच पर एक अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने सामाजिक मानदंडों को चुनौती देने, हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए आवाज़ उठाने और बदलाव को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसी ही एक प्रतिष्ठित हस्ती हैं नेल्सन मंडेला, जिनकी दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद को खत्म करने के लिए आजीवन प्रतिबद्धता उत्पीड़न के खिलाफ़ लचीलेपन का प्रतीक है। लड़कियों की शिक्षा के लिए निडर योद्धा मलाला यूसुफजई तालिबान द्वारा हत्या के प्रयास से बचने के बाद एक प्रमुख व्यक्ति के रूप में उभरीं। सभी के लिए शिक्षा के प्रति मलाला के अटूट समर्पण और लैंगिक समानता के लिए उनके अथक प्रयास ने उन्हें 17 साल की उम्र में नोबेल शांति पुरस्कार दिलाया, जिससे वह इतिहास में सबसे कम उम्र की पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं में से एक बन गईं। हार्वे मिल्क ने पहले खुले तौर पर समलैंगिक सार्वजनिक अधिकारी के रूप में कैलिफोर्निया में समलैंगिकों के अधिकारों की व्यापक दृश्यता और स्वीकृति का मार्ग प्रशस्त किया। मिल्क की साहसी सक्रियता ने समलैंगिक अधिकार आंदोलन के शुरुआती चरणों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। रूथ बेडर गिन्सबर्ग, एक अग्रणी कानूनी विद्वान और सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश, ने अपना करियर लैंगिक भेदभाव से लड़ने के लिए समर्पित कर दिया। उनके अभूतपूर्व काम और ऐतिहासिक कानूनी फैसलों ने महिलाओं के अधिकारों को गहराई से प्रभावित किया है और कानूनी परिदृश्य को आकार देना जारी रखा है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर के नागरिक अधिकारों की खोज से लेकर मैल्कम एक्स की नस्लीय न्याय की वकालत और एम्मा गोंजालेज की बंदूक हिंसा के खिलाफ सक्रियता से लेकर ग्रेटा थनबर्ग की जलवायु न्याय की लड़ाई तक, प्रत्येक व्यक्ति ने एक स्थायी विरासत छोड़ी है।

शिक्षा और जागरूकता भेदभाव से निपटने की नींव बनाती है, जो समझ को बढ़ावा देने और गहराई से जड़ जमाए हुए पूर्वाग्रहों को खत्म करने में महत्वपूर्ण है। समाज विभिन्न शैक्षिक स्तरों पर समावेशी पाठ्यक्रम को एकीकृत करके रूढ़िवादिता को चुनौती दे सकता है और सहानुभूति को बढ़ावा दे सकता है। भेदभाव से निपटने के लिए कानूनी और नीतिगत विकास महत्वपूर्ण प्रगति के साथ अधिक समावेशी समाज बनाने के लिए वैश्विक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। दुनिया भर की सरकारें और संगठन व्यक्तियों को भेदभाव से बचाने के लिए मजबूत कानून की आवश्यकता को महसूस करते हैं। हाल के वर्षों में हाशिए पर पड़े समूहों की सुरक्षा और समान अवसरों को बढ़ावा देने वाले प्रभावशाली कानून की ओर बदलाव देखा गया है। ये कानून विविधता, निष्पक्ष व्यवहार और भेदभाव को बनाए रखने वाली प्रणालीगत बाधाओं को तोड़ने के महत्व पर जोर देते हैं। भेदभाव के खिलाफ़ प्रगति के बावजूद, एक संतुलित, समानता एवं समतापूर्ण समाज-निर्माण में महत्वपूर्ण चुनौतियाँ बनी हुई हैं। सामाजिक संरचनाओं में पूर्वाग्रह एक बड़ी बाधा हैं, क्योंकि भेदभावपूर्ण प्रथाएँ संस्थाओं में जड़ जमा लेती हैं, जिससे असमानता बनी रहती है।

गहरे विश्वासों और सांस्कृतिक मानदंडों में निहित परिवर्तन का प्रतिरोध भेदभावपूर्ण दृष्टिकोण को खत्म करने के प्रयासों को जटिल बनाता है। इंसान ने भेदभाव की नीति अपनाते हुए संसार बाँट दिया। उसने स्वयं को सर्वोपरि समझते हुए सारी धरती पर अपना अधिकार करना चाहा। उसने समुद्र से ज़मीन छीनी, जंगलों का सफाया किया और पशु-पक्षियों को बेघर किया। मानव और मानव के बीच में जो भेद की दीवारें खड़ी हैं, उनको ढहाना होगा, और इसके लिए शून्य भेदभाव दिवस जैसे विश्व अभियान को अधिक सशक्त, कार्यकारी एवं सक्रिय करने की आवश्यकता है।

संपादकीय

कामयाबी का जनोत्सव

सरकारी आंकड़ों पर विश्वास करें तो इस महाकुंभ में 66 करोड़ से अधिक तीर्थयात्रियों ने गंगा-यमुना व अदृश्य सरस्वती के संगम पर महाकुंभ के दौरान डुबकी लगायी। एक भगदड़ की घटना में कुछ श्रद्धालुओं का असमय काल-कवलित होना दुखद ही था। कुछ अग्निकांड भी हुए। लेकिन यदि बात करोड़ों श्रद्धालुओं के संगम में स्नान व उनके आने-जाने व रहने की व्यवस्था की हो तो योगी सरकार अपनी पीठ थपथपा सकती है। रूस-अमेरिका जैसी महाशक्तियों की आबादी से अधिक जनसंख्या का प्रबंधन निश्चय ही एक बड़ी चुनौती थी। ऐसे दौर में जब उपभोक्ता संस्कृति सिर चढ़कर बोल रही है, तब सनातन संस्कृति का ऐसा उफान चौंकाता है। जिसमें लोग तमाम कष्ट सहकर संगम में डुबकी लगाने को आतुर दिखे। त्याग-संयम से परिचित कराना कुंभ संस्कृति का उद्देश्य भी रहा है। इस तरह हमने अपने पुरखों की गौरवशाली विरासत का सम्मान किया। जिसमें सदियों से करोड़ों लोग बिना चिट्ठी-पत्री के स्वतःस्फूर्त भाव से कुंभ के मेले में जुटते रहे हैं। भारतीय संस्कृति में ऐसी क्या खासियत है? महाकुंभ जैसे इतने बड़े आयोजन कैसे सफलतापूर्वक होते हैं? यह देखने पूरी दुनिया के जिज्ञासु, विभिन्न धर्मों के अनुयायी, फोटोग्राफर और पत्रकार सदियों से महाकुंभ में जुटते रहे हैं। महाकुंभ के सफल आयोजन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि महाकुंभ ने पूरी दुनिया को युग-परिवर्तन की आहट और विशाल आयोजन की क्षमता से रूबरू कराया है। महत्वपूर्ण यह है कि तीर्थयात्रियों ने जिस तरह दिल खोल कर खर्च किया, वो निश्चय ही उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था का तारणहार बनेगा। बताते हैं कि इससे प्रदेश की जीडीपी में करीब साढ़े चार लाख करोड़ रुपये का इजाफा होगा। जो देश की तमाम देशी-विदेशी इनवेस्ट समिटों से कहीं ज्यादा ठोस आय का स्रोत बना है। कई गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड इस महाकुंभ के नाम हुए। वीरवार को तीन वर्ल्ड रिकॉर्ड प्रमाणपत्र मुख्यमंत्री योगी को सौंपे गए। विपक्ष, खासकर सपा व कांग्रेस कुंभ आयोजन को लेकर हमलावर रहे हैं। वहीं शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने महाकुंभ के समापन पर कहा कि ये सरकारी महाकुंभ है। असली कुंभ तो माघ पूर्णिमा को ही संपन्न हो चुका था। इस बार के महाकुंभ को टेक्नोलॉजी के महाकुंभ के रूप में भी याद किया जाएगा। महाकुंभ में विशेष एल्गोरिदम के जरिये इस्तेमाल पांच सौ एआई कैमरे क्राउड डेंसिटी व फैशियल रिकग्निशन के लिये इस्तेमाल किए गए। जिसके जरिये करोड़ों श्रद्धालुओं की गिनती संभव हुई। वहीं बिछुड़ों को परिजनों से मिलाने, आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। निस्संदेह, इतने बड़े जनसैलाब को संभालना किसी भी सरकार के लिये बड़ी चुनौती होती है। लेकिन भविष्य में महाकुंभ के आयोजन के लिये प्रयागराज महाकुंभ के अनुभवों से सबक लेने की जरूरत है। इस बात का वैज्ञानिक अध्ययन होना चाहिए कि भगदड़ को कैसे टाला जाए। आखिर क्यों दो सौ- तीन सौ किलोमीटर के जाम लगते रहे हैं। कैसे ट्रेनों का संचालन बिना किसी व्यवधान के किया जाए। हालांकि, 16 नई ट्रेनें चलाने की बात कही गई, लेकिन तमाम स्टेशनों पर ट्रेन में चढ़ने के लिये मारामारी होती रही है। दिल्ली रेलवे स्टेशन का हादसा इसका ज्वलंत उदाहरण है। महाकुंभ के सफल आयोजन ने बताया है कि देश में धार्मिक पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं।

तस्वीर की सियासत बनाम सियासत की तस्वीर ?

(लेखिका - निर्मल रानी)

देश सरकारी कार्यालयों में प्रायः राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी,देश के राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के चित्र लगाये जाते हैं। जबकि राज्यों में इनके साथ मुख्यमंत्री व राजयपाल के चित्र भी लगाये जाते हैं। इस व्यवस्था को प्रोटोकॉल अथवा शिष्टाचार / नवाचार कहा जाता है। शीर्ष पदों पर बैठे लोग समय समय पर अपनी सुविधानुसार या किसी पूर्वाग्रह के चलते स्वेच्छा से इसमें बदलाव भी करते रहते हैं। उदाहरण के तौर पर आपको झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कार्यालय में मुख्यमंत्री की कुर्सी के ठीक पीछे मुख्य रूप से केवल उनके पिता शिबू सुरेन का ही चित्र लगा मिलेगा। ज़ाहिर है वे उन्हें ही अपना आदर्श नेता मानते हैं। इसी तरह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के कार्यालय में राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के चित्र से आकार में भी बड़ा तथा बिल्कुल मध्य में गुरु गोरखनाथ का चित्र लगाया गया है। अनेक मुख्यमंत्रियों के कार्यालयों में उनकी अपनी पसंद के आधार पर चित्र लगाये गए हैं।

दिल्ली के तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी जनवरी 2022 में गणतंत्र दिवस से एक दिन पूर्व दिल्ली के मुख्यमंत्री कार्यालय सहित राज्य के सभी सरकारी कार्यालयों में केवल बाबासाहेब अंबेडकर और भगत सिंह के चित्र लगाने के निर्देश जारी किये थे। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया था कि दिल्ली सरकार के सभी कार्यालयों में किसी अन्य नेता की तस्वीरें प्रदर्शित नहीं की जायें । तब से लेकर पिछले दिनों दिल्ली की सत्ता बदलने तक दिल्ली के मुख्यमंत्री कार्यालय से लेकर राज्य के अधिकांश कार्यालयों में महात्मा गाँधी, प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति की तस्वीर हटाकर बाबासाहेब अंबेडकर और भगत सिंह के चित्र लगा दिए गये थे। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी कुर्सी के ठीक पीछे बाबासाहेब और भगत सिंह के चित्र लगाये थे जो उनके बाद आतिशी के मुख्यमंत्री काल में भी लगे रहे।

परन्तु जिस दिन दिल्ली में 27 साल का वनवास ख़त्म कर भाजपा सत्ता में आई व भाजपा की नई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कार्यभार संभाला उस दिन उन्होंने सबसे पहले मुख्यमंत्री की कुर्सी के पीछे लगे अंबेडकर और भगत सिंह के चित्रों को हटाकर उनके स्थान पर राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी,प्रधानमंत्री तथा राष्ट्रपति के चित्र लगा दिए। जबकि पूर्व में लगे चित्रों को दूसरी दीवार पर स्थान दिया गया। इसी बात पर आम आदमी पार्टी ने हंगामा खड़ा करते हुये इसे राजनैतिक मुद्दा बना लिया। पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने तस्वीर हटाने पर कहा कि 卐यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि दिल्ली विधानसभा का नेतृत्व ऐसी पार्टी कर रही है, जो दलित और सिख विरोधी है। भाजपा ने अपना दलित विरोधी रुख़ दिखाते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय से बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर और शहीद भगत सिंह के चित्र हटा दिए हैं।卐 परन्तु तस्वीरों पर सियासत करने वाली आप भी ऐसे सवालों से बच नहीं सकती। आम आदमी पार्टी नेताओं को भी यह बताना पड़ेगा कि उन्होंने अपने कार्यालय से राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की फ़ोटो क्यों हटाई थी ? यदि मान लिया जाये की नरेंद्र मोदी उनके घोर विरोधी नेता हैं परन्तु वे देश के प्रधानमंत्री भी हैं। मान लीजिये कि राजनैतिक पूर्वाग्रह के कारण उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चित्र नहीं लगाया परन्तु उन्होंने आख़िर राष्ट्रपति का चित्र क्यों नहीं लगाया गया ?

जहाँ तक सवाल है तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा मात्र चित्र लगाकर बाबासाहेब अंबेडकर और भगत सिंह को सम्मान दिये जाने का, तो यदि अरविंद केजरीवाल के वक्तव्यों पर नज़र डालें तो केजरीवाल की बातें तो इन नेताओं के मूल विचारों के बिल्कुल विरुद्ध हैं। मिसाल के तौर पर अरविंद केजरीवाल ने 27 अक्टूबर 2022 को मुख्यमंत्री के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे एक पत्र के माध्यम से यह मांग की थी कि भारतीय नोटों पर गांधी जी के साथ-साथ लक्ष्मी-गणेश की तस्वीर भी छपे। उनका कहना था कि इससे देश की अर्थव्यवस्था को भगवान का आशीर्वाद मिलेगा। विघ्नहर्ता का आशीर्वाद होगा तो अर्थव्यवस्था सुधर जाएगी। इसलिए मेरी केंद्र सरकार से अपील है कि भारतीय करेंसी के ऊपर लक्ष्मी गणेश की तस्वीर छापें। क्या केजरीवाल का यह सुझाव बाबासाहेब अंबेडकर और भगत सिंह जैसे महापुरुषों के विचार सम्मत है ? किसी का चित्र लगाने का अर्थ आख़िर क्या होता है ? केवल उस महापुरुष के समर्थकों या उनके समुदाय को ख़ुश करना या उनके आदर्शों को मानना व उनपर चलना ? बाबासाहेब अंबेडकर और भगत सिंह के जीवन की कौन सी शिक्षा है जिसने केजरीवाल को इस बात के लिये प्रेरित किया कि उन्होंने प्रधानमंत्री को उपरोक्त सलाह दे डाली। वह भी स्वयं एक शिक्षित व राजस्व सेवाओं के अधिकारी होने के बावजूद। हद तो यह है कि प्रधानमंत्री को यह पत्र लिखते समय केजरीवाल ने यह भी लिहा था कि यह देश के 130 करोड़ लोगों की इच्छा है कि भारतीय करेंसी पर एक ओर महात्मा गांधी व दूसरी ओर लक्ष्मी-गणेश जी की तस्वीर भी लगाई जाए। केजरीवाल ने 130 करोड़ लोगों का प्रतिनिधि होने के नाते नहीं बल्कि सही मायने में देश के बहुसंख्य समाज को वरग़लाने के लिये ही तस्वीर की सियासत यह शगूफ़ा छोड़ा था।

इसी तरह विधान सभा चुनावों की घोषणा से पूर्व दिसंबर 2024 में दिल्ली में अरविंद केजरीवाल ने एक और ऐसी ही चुनावी फुलझड़ी छोड़ते हुये यह घोषणा कर डाली कि आम आदमी पार्टी के चुनाव जीतने पर मंदिरों के पुजारियों और गुरुद्वारों के ग्रंथियों को 18 हज़ार रुपए प्रति माह की सम्मान राशि दी जाएगी। केजरीवाल ने इसे पुजारी-ग्रंथी सम्मान योजना का नाम दिया। इस घोषणा की आलोचना करते हुये भाजपा ने उसी समय यह जवाब दिया था कि चुनावी हिंदू केजरीवाल ने मंदिर और गुरुद्वारों के बाहर शराब के ठेके खोले हैं और उनकी पूरी राजनीति हिंदू विरोधी रही है। यहाँ भी यही सवाल है कि क्या पुजारी-ग्रंथी सम्मान योजना की घोषणा बाबासाहेब अंबेडकर और भगत सिंह जैसे महापुरुषों की सोच के अनुरूप थी जिनके चित्र उन्होंने अपने कुर्सी के पीछे लगा रखे थे ?

भाजपा भी इसी तरह गांधी व बाबासाहेब अंबेडकर व भगत सिंह जैसे आदर्श पुरुषों के केवल चित्र लगाकर या उनपर ख़ास अवसरों पर माल्यार्पण कर उनके प्रति अपने आदर व सम्मान का दिखावा तो ज़रूर करती है परन्तु हक़ीक़त में वह भी दिखावा मात्र ही है। अन्यथा घोर हिंदुत्ववादी राजनीति का गांधी व बाबासाहेब आंबेडकर व भगत सिंह जैसे महान देशभक्त मानवतावादी नेताओं से क्या लेना देना ? यह तो धर्म और राजनीति के ऐसे घालमेल को ही विध्वंसक मानते थे।

(चिंतन-मनन)

दीर्घजीवी होती है विनम्रता

एक साधु बहुत बूढ़े हो गए थे। उनके जीवन का आखिरी क्षण आ पहुंचा। आखिरी क्षणों में उन्होंने अपने शिष्यों और चेलों को पास बुलाया। जब सब उनके पास आ गए, तब उन्होंने अपना पोपला मुंह पूरा खोल दिया और शिष्यों से बोले- 'देखो, मेरे मुंह में कितने दांत बच गए हैं?' शिष्यों ने उनके मुंह की ओर देखा। कुछ टटोलते हुए वे लगभग एक स्वर में बोल उठे- 'महाराज आपका तो एक भी दांत शेष नहीं बचा। शायद कई वर्षों से आपका एक भी दांत नहीं है' साधु बोले-'देखो, मेरी जीभ तो बची हुई है' सबने उत्तर दिया- 'हां, आपकी जीभ अवश्य बची हुई है'

इस पर साधू ने कहा- 'पर यह हुआ कैसे? मेरे जन्म के समय जीभ थी और आज मैं यह चोला छोड़ रहा हूं तो भी यह जीभ बची हुई है। ये दांत पीछे पैदा हुए, ये जीभ से पहले कैसे विदा हो गए? इसका क्या कारण है, कभी सोचा?' शिष्यों ने उत्तर दिया- 'हमें मालूम नहीं। महाराज, आप ही बतलाइए' उस समय मृदु आवाज में संत ने समझाया - यही रहस्य बताने के लिए मैंने तुम सबको इस बेला में बुलाया है। इस जीभ में माधुर्य था, मृदुता थी और खुद भी कोमल थी, इसलिए वह आज भी मेरे पास है, परंतु मेरे दांतों में शुरू से ही कठोरता थी, इसलिए वे पीछे आकर भी पहले खत्म हो गए, अपनी कठोरता के कारण ही ये दीर्घजीवी नहीं हो सके। दीर्घजीवी होना चाहते हो तो कठोरता छोड़ो और विनम्रता सेखो।

विचार मंथन

शेयर बाजार के फुग्गे से तेजी से निकल रही हवा

(लेखक- सनत जैन)

भारतीय शेयर बाजार में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। फरवरी माह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को सेंसेक्स 1414.33 अंक यानी 1.90 फीसदी की गिरावट के साथ 73,198.10 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 420.35 अंक यानी 1.86 फीसदी की गिरावट के साथ 22,124.70 के स्तर पर बंद हुआ। पिछले कुछ वर्षों में राष्ट्रीयकृत बैंकों, भारतीय जीवन बीमा निगम, म्युचुअल फंड, पेंशन फंड एवं अन्य शासकीय वित्तीय संगठन द्वारा बड़े पैमाने पर शेयर बाजार में निवेश किया गया है। शेयर बाजार में शेयर की पूंजी को ओवर वैल्यू करके पिछले कुछ वर्षों में भारी मुनाफाखोरी शेयर बाजार के माध्यम से हुई है। शेयर बाजार में प्रीमियम शेयर कारोबार की बयार बह रही थी। 10 रूपये का शेयर महंगे दामों पर निवेशकों को बेचा जा रहा था। भारतीय शेयर बाजार को सरकारी नीतियों ने इस स्तर पर लाकर खड़ा कर दिया है। इसको बचा पाना सरकार के लिए भी बड़ा मुश्किल है। वर्ष 2025 में शेयर बाजार में तेजी की कोई भी संभावना नहीं है। 2025 मे शेयर बाजार में निरंतर गिरावट और बिकवाली बनी रहेगी। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है, कि शेयर बाजार मे कंपनियों का मार्केट वास्तविक वैल्यू से 90 गुना ज्यादा है। ऐसी स्थिति में शेयर बाजार की गिरावट को रोक पाना किसी के बस की बात नहीं है। वर्तमान में कंपनियों की अनुमानित आय और शेयर के वास्तविक मूल्य से लगभग 20 गुना ज्यादा है। शेयर बाजार में मिड कैप और छोटे शेयरों का वैल्यूएशन भी वास्तविक स्थिति से कई गुना ज्यादा है। पिछले कुछ वर्षों में शेयर बाजार को कृत्रिम तरीके से बढ़ाया गया है। अब वह उसी तेजी के साथ नीचे गिरता हुआ नजर आ रहा है। इसमें सबसे ज्यादा नुकसान छोटे एवं मध्यम निवेशकों को हो रहा है। इसके साथ ही भारत के राष्ट्रीयकृत बैंक तथा सरकारी वित्तीय संस्थाएं, जिन्होंने सरकार के दबाव में शेयर बाजार में अपने निवेश को बढ़ाकर, शेयर बाजार की कृत्रिम कमाई से अपनी बैलेंस शीट में भारी मुनाफा, पिछले वर्षों में कमाया था। वह शेयर बाजार की इस गिरावट से, सबसे ज्यादा नुकसान बैंकों और सरकारी वित्तीय संस्थानों को हो रहा है। बैंकों द्वारा पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से बड़े-बड़े उद्योगपतियों को कर्ज दिया गया है। कर्ज वसूल ना होने पर नॉन परफॉर्मिंग असेट मे डालकर बड़े-बड़े पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाया गया है। उसके कारण भारतीय बैंकों और भारतीय जीवन बीमा निगम की आर्थिक स्थिति शेयर बाजार के गिरने से सबसे ज्यादा प्रभावित हो रही है। शेयर बाजार की इस गिरावट से बैंकों में जमा पैसा आम नागरिकों का सुरक्षित रहेगा, या नहीं, इसको लेकर चर्चा होने लगी है। पिछले 5 महीने में शेयर बाजार के इंडेक्स में 15000 अंकों से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। अभी भी गिरावट थमने का नाम नहीं ले रही है। शेयर बाजार के आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है, कि 2025 की मंदी से शेयर बाजार और बैंकों का हाल 2008 की अमेरिकी मंदी की तरह हो सकता है। उस समय अमेरिका के सैंकड़ों बैंक दिवालिया हो गए थे। भारत में जिस तरह से बेरोजगारी, महंगाई, भारी टैक्स के कारण आर्थिक संकट बना हुआ है, ऐसे समय पर शेयर बाजार की भारी गिरावट ने भारतीय अर्थव्यवस्था को झकझोर कर रख दिया है। रही सही कसर अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पूरी कर रहे हैं। अमेरिका के निर्णय से भारत का आयात-निर्यात व्यापार और वैश्विक कारोबार बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत लगातार गिरने से आयातित सामान के दाम बढ़ रहे हैं। भारत के 100 करोड़ लोगों के पास खर्च करने के लिए पैसे नहीं हैं। किसी तरह से वह अपनी जरूरतों को पूरा कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में भारतीय अर्थव्यवस्था अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। पिछले 10 वर्षों में सरकार की टैक्स से आय कई गुना बढ़ गई है। इसके बाद भी केंद्र एवं राज्य सरकारों ने बड़े पैमाने पर कर्ज लिया है। पिछले 10 वर्षों में केंद्र एवं राज्य सरकारों का कर्ज चार गुना बढ़ गया है। राज्य और केंद्र सरकार के बजट का एक बड़ा हिस्सा ब्याज के भुगतान में जा रहा है। सरकारी खर्च पिछले 10 वर्षों में बड़ी तेजी के साथ बढ़े हैं। सरकार का पैसा कहां जा रहा है। अब इसकी खोज शुरू हो गई है। गरीब और गरीब होता चला गया। उसके ऊपर कर्जा भी बढ़ गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शेयर बाजार के लिए काल साबित हुए ये कारण....9 माह के निचले स्तर पर आया निफ्टी

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार 28 फरवरी को खुलते ही धड़ाम हो गया। सेंसेक्स 1100 अंकों से अधिक क्रैश होकर 73,469.11 अंक पर आ गया। वहीं निफ्टी-50 भी 350 अंकों का गोता लगाकार 22,188.50 के स्तर पर आ गया। गिरावट इतनी तेज थी 30 मिनट के अंदर बीएसई में लिस्टेड कंपनियों की मार्केट वैल्यू करीब 6.1 लाख करोड़ रुपये कम हो गई। इसके साथ निफ्टी अब अपने 9 महीने के निचले स्तर पर आ गया है। फरवरी में अब तक निफ्टी 5 प्रतिशत तक गिर चुका है। इसके साथ ही निफ्टी अब 29 सालों में पहली बार लगातार 5वें महीने गिरावट के साथ बंद होता हुआ दिख रहा है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह हैं कि आज बाजार के टूटने का कारण क्या था। हम आपकों इस खबर में उन कारणों के बारे में बताने जा रहे है।

बाजार के टूटने का प्रमुख कारण ट्रेड वार की आशंका

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा और मैक्सिको पर 4 मार्च से ही 25 प्रतिशत टैरिफ लागू करने की घोषणा की है। जबकि इसके पहले उन्होंने टैरिफ को 2 अप्रैल से लागू करने का संकेत दिया था। ट्रंप ने यह भी कहा कि चीन से आने वाले सामानों पर भी 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगेगा, जिससे ग्लोबल ट्रेड वार छिड़ने की आशंका बढ़ गई है। बाजार जानकार बताते हैं कि शेयर बाजार अनिश्चितता को पसंद नहीं करते हैं, और जब से ट्रंप राष्ट्रपति चुने गए हैं, तब से अनिश्चितता बढ़ती जा रही है। ट्रंप के टैरिफ ऐलानों का शेयर बाजार पर असर पड़ रहा है। साथ ही चीन पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत टैरिफ की नई घोषणा से शेयर बाजार के इस नजरिए की पुष्टि हो रही है कि ट्रंप अपने नए कार्यकाल में टैरिफ का इस्तेमाल देशों का धमकाने और फिर अमेरिका के अनुकूल समझौते करने के लिए करने वाले है। उन्होंने कहा, मार्च में इकोनॉमी से जुड़ी अच्छी खबरों और विदेशी निवेशकों की बिकवाली की रफ्तार धीमी होने के चलते शेयर बाजार में एक रिकवरी देखने को मिल सकती है। लंबी अवधि के निवेशक बाजार में कमजोरी का फायदा उठाकर धीरे-धीरे वाजिब भाव पर कारोबार कर रहे क्वालिटी लार्जकैप शेयरों को जमा कर सकते हैं।

2. एशियाई शेयर बाजारों में कमजोरी

एशियाई शेयरों में कमजोरी ने भी शुक्रवार को निवेशकों के सेंटीमेंट पर असर डाला। हांगकांग के शेयरों में शुक्रवार को गिरावट के साथ ही पिछले 6-हफ्तों से जारी तेजी का सिलसिला टूट गया। ट्रंप का चीनी सामानों पर अतिरिक्त 10 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने के फैसले के बाद वहां जमकर मुनाफावसूली देखने को मिली। हांगकांग के बेंचमार्क हैंग सेंग में 2.3 प्रतिशत की गिरावट आई। जापानी शेयरों में विदेशी निवेशकों की ओर से करीब 5 महीनों की सबसे बड़ी बिकवाली देखने को मिली। यह कुल 1.04 ट्रिलियन येन की निकासी थी। जापानी येन में मजबूती, बढ़ती मंहगाई से जुड़ी चिंताएं और ट्रंप की टैरिफ नीतियों से जुड़ी अनिश्चितताओं के चलते एफआईआईएस ने बिकवाली की।

3. एआई सेक्टर की ग्रोथ पर संदेह बढ़ना

एआई चिप्स इंडस्ट्री की सबसे बड़ी कंपनी एनवीडिया के उम्मीद से कमजोर तिमाही नतीजों ने भी बाजार में भूचाल लाने में अहम भूमिका निभाई। एनवीडिया के शेयर रातों रात 8.5 फीसदी तक गिर गए। कंपनी ने ग्रॉस मार्जिन के मोर्चे पर खासतौर से उम्मीद से कमजोर प्रदर्शन किया। हालांकि एनवीडिया ने अपनी ग्रोथ को लेकर मजबूत अनुमान जताए हैं, लेकिन यह निवेशकों के मनोबल को उठा पाने में नाकाम रहा।

4. अमेरिकी इकोनॉमी में मंदी की आशंका

अमेरिका में साप्ताहिक बेरोजगारी दावों में उम्मीद से अधिक बढ़ोतरी हुई है। इस आंकड़े से दुनिया की सबसे बड़ी इकोनॉमी में सुस्ती की चिंता को बढ़ दिया है। ट्रंप के टैरिफ ऐलानों के चलते पहले ही वह महंगाई दर में बढ़ोतरी का अनुमान जताया चा चुका है। इसकारण आईटी शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली, जिनकी कमाई का एक बड़ा हिस्सा अमेरिका से आता है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं जिससे घरेलू बाजार में भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में फरवरी के अंतिम दिन शुक्रवार को कोई बदलाव नहीं हुआ और इसकी कीमतें पहले की तरह ही बनी हुई हैं। देश के सभी चार महानगरों की बात करें तो उसमें कीमतें पहले की तरह ही हैं। दिल्ली में पैट्रोल 94.72 वहीं डीजल 87.62 रुपये पर बना हुआ है। वहीं मुम्बई में पैट्रोल 103.44 और डीजल 89.97 रुपये जबकि कोलकाता में पैट्रोल 103.94 और डीजल 90.76 पर है। चेन्नई में पैट्रोल 100.85 व डीजल 92.44 वहीं बेंगलुरु में पैट्रोल 102.86 और डीजल 88.94 पर है। लखनऊ में पैट्रोल 94.65 और डीजल 87.76 पर हैं। वहीं लखनऊ में पैट्रोल 94.65 और डीजल 87.76 जबकि नोएडा में ये 94.87 व 88.01 पर हैं। गुरुग्राम में पेट्रोल 95.19 और डीज 88.05 पर है। चंडीगढ़ में इसकी कीमत 94.24 व 82.40 रुपये हैं। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तकरीबन एक साल मार्च 2024 के बाद से ही बदलाव नहीं हुआ है। बाजार जानकारों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार में अभी कच्चे तेल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं, देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें पहले की तरह ही बनी हुई हैं।

भारत-यूके फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर सहमत

नई दिल्ली। भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर सहमति बन गई है, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंध और मजबूत होंगे। वहीं, फिनटेक कंपनी पेटीएम ने एआई स्टार्टअप परप्लेक्सिटी के साथ हिस्सेदारी करने का ऐलान किया है, जिससे यूजर्स को ऐप पर एआई इंटीग्रेटेड सर्च ऑप्शन की सुविधा मिलेगी। भारत ने एक्सपोर्ट्स को बढ़ावा देने के लिए अब तक 13 फ्री ट्रेड एग्रीमेंट्स और 6 प्रेफरेंशियल ट्रेड एग्रीमेंट्स पर हस्ताक्षर किए हैं। इस कड़ी में यूके के साथ होने वाला नया समझौता भारतीय उद्योगों को वैश्विक बाजारों में ज्यादा पहुंच प्रदान करेगा। इस समझौते से भारतीय वस्तुओं और सेवाओं पर लगने वाले शुल्कों में छूट मिलेगी, जिससे व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। पेटीएम ने एआई स्टार्टअप परप्लेक्सिटी के साथ टाइअप किया है, जिससे अब पेटीएम पर एआई इंटीग्रेटेड सर्च उपलब्ध होगा। यह फीचर यूजर्स को लोकल भाषा में जानकारी और फाइनेंशियल इनसाइट्स प्रदान करेगा। पेटीएम का यह कदम डिजिटल बैंकिंग और फिनटेक क्षेत्र में एक नई तकनीकी क्रांति ला सकता है।

पॉपुलर रोडस्टर बाइक गुरिल्ला 450 का अपडेटेड मॉडल लॉन्च

नई दिल्ली । भारतीय बाजार में रॉयल एनफील्ड ने अपनी पॉपुलर रोडस्टर बाइक गुरिल्ला 450 का अपडेटेड मॉडल लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने रॉयल एनफील्ड गुरिल्ला 450 में दो नए कलर पिक्स ब्रॉन्ज और स्मोक सिल्वर शामिल किए हैं। बाइक स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, गूगल मैप्स इंटीग्रेशन और मीडिया कंट्रोल के साथ 4-इंच टीएफटी डिस्प्ले जैसे फीचर्स से लैस है। बाइक अब 6 कलर ऑप्शन के साथ अवेलेबल है। रोडस्टर बाइक तीन वैरिएंट- एनालॉग, डैश और फ्लैश में आती है और इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 2.49 लाख रुपए रखी गई है, जो टॉप वैरिएंट में 2.54 लाख रुपए (एक्स-शोरूम) तक जाती है। नए कलर के साथ बाइक की बुकिंग लॉन्च के साथ ही शुरू हो चुकी है और इनकी डिलीवरी 10 मार्च 2025 से मिलेगी। भारत में इसका मुकाबला ट्रायम्फ 400, हुस्कवर्ना स्वार्टपिलेन 401 और होंडा सीबी300आर से है। नई गुरिल्ला 450 में 452सीसी का लिक्विड-कूल्ड सिंगल-सिलेंडर शेरपा इंजन दिया गया है, जो 8,000आरपीएम पर 40 एचपी की पावर और 5,500आरपीएम पर 40एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इंजन को असिस्ट और स्लिप क्लच के साथ 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है। बाइक में दो राइड मोड- परफॉरमेंस और इको मिलते हैं। रॉयल एनफील्ड ने बेहतर लो-एंड टॉर्क देने के लिए इंजन को फिर से ट्यून किया है। कंपनी का दावा है कि 3000आपीएम से शुरू होने वाले टॉर्क का 85 प्रतिशत से अधिक अवेलेबल है।

शेयर बाजार में भारी गिरावट, मचा हाहाकर

- बैंकों के डिपॉजिट को लेकर लोगों की चिंता बढ़ी

मुंबई । शेयर बाजार आज सुबह भारी गिरावट के साथ खुले। देखते ही देखते बाजार में बिकवाली के कारण मुंबई स्टॉक एक्सचेंज सुबह 11 बजे 973 अंकों की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा था। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज मे 330 अंकों से ज्यादा की गिरावट के साथ कारोबार हो रहा था। शेयर बाजार मे निफ्टी 50 में 291 अंकों की गिरावट देखने को मिली। जिसके कारण शेयर बाजार में हाहाकार मच गया है। देसी और विदेशी निवेशक भारी बिकवाली कर रहे हैं। वैश्विक स्तर पर जिस तरह के समाचार प्राप्त हो रहे हैं। उसको लेकर सबसे ज्यादा गिरावट भारतीय बाजार में देखने को मिल रही है। डॉलर के मुकाबले रुपए में लगातार गिरावट तथा सरकार द्वारा आर्थिक नीतियों को लेकर मौन साध रखा है। उसके कारण शेयर बाजार में भारी घबराहट देखने को मिल रही है। मुंबई स्टॉक एक्सचेंज 73000 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। पिछले 5 माह में लगभग 14000 अंकों की गिरावट देखने को मिली है। पिछले 5 महीने से शेयर बाजार में लगातार गिरावट होने से देसी निवेशकों का हौसला भी टूट गया है। कर्ज के कारण अमेरिका ने अपने खर्चों में भारी कटौती करना शुरू कर दी है। यह माना जा रहा है, भारत सरकार भी आने वाले महीनो में अपने खर्चों में भारी कटौती करेगी। भारत की लोक लुभावन योजनाएं जल्द ही बंद या काम हो सकती हैं। इसका असर शेयर बाजार पर देखने को मिलेगा। जिस तरह के हालात भारतीय अर्थव्यवस्था मे देखने को मिल रहे हैं। उससे बाजार में घबराहट मची हुई है। भारत में केंद्र सरकार राज्य सरकारों और स्थानीय संस्थाओं के ऊपर भारी कर्ज है। इस स्थिति को देखते हुए निवेशक अपनी पूंजी निकाल कर शेयर बाजार से बाहर निकलना चाहते हैं। भारत के वित्तीय संस्थान भी इस समय शेयर बाजार से दूरी बनाकर रखना चाहते हैं। बैंक, भारतीय जीवन बीमा निगम, म्युचुअल फंड एवं अन्य सरकारी वित्तीय संस्थान शेयर बाजार की गिरावट से निवेश करने से बच रहे हैं। शेयर बाजार की बिकवाली को देखते हुए वित्तीय संस्थाओं का मानना है। इस समय जो भी पैसा शेयर बाजार में निवेश किया जाएगा। वह बाजार से बाहर चला जाएगा। वित्तीय संस्थाओं को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ेगा। जिसके कारण भारतीय शेयर बाजार की हालत इन दोनों सबसे ज्यादा पतली है। शेयर बाजार के अर्थ विशेषज्ञों का कहना है। पिछले कुछ वर्षों में शेयर बाजार को हवा भर के (जिस तरह से फुग्गा फुलाया जाता है) भारतीय शेयर बाजार को फुलाया गया था। शेयर बाजार का यह फुग्गा अब फूट रहा है। तेजी के साथ हवा निकल रही है। ऐसी स्थिति में छोटे बड़े सभी देशी विदेशी निवेशक शेयर बाजार से भाग रहे हैं। जिसके हाथ में जो लग रहा है। उसको लेकर शेयर बाजार से निकलना चाहता है। यह स्थिति भारतीय शेयर बाजार के अस्तित्व को बनाए रखने मे सबसे बड़ी चुनौती है।

मारुति सुजुकी ने खरखौदा प्लांट में शुरु किया उत्पादन

नई दिल्ली ।

हरियाणा के खरखौदा स्थित अपने नए प्लांट में मारुति सुजुकी इंडिया ने उत्पादन शुरू कर दिया है। हरियाणा के इस प्लांट में ब्रेजा एसयूवी बनाई जाएगी। बीते साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अगस्त 2022 में इस प्लांट की नींव रखी थी। कंपनी भारत में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाना चाहती है और इलेक्ट्रिक वाहनों पर भी ध्यान दे रही है। वह भारत से ज्यादा गाड़ियां निर्यात भी करना चाहती है। मारुति सुजुकी इंडिया का खरखौदा प्लांट काफी अहम है, क्योंकि इससे घरेलू उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। इस प्लांट की आधारशिला अगस्त 2022 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली रखी थी। इस प्लांट से शुरुआत में 2.5 लाख गाड़ियां हर साल बनाई जाएंगी। इस नए प्लांट के शुरू होने से मारुति सुजुकी कारों की कुल उत्पादन क्षमता बढ़कर 26 लाख यूनिट सालाना हो गई है। इसमें सुजुकी मोटर गुजरात प्राइवेट लिमिटेड का उत्पादन भी शामिल है, जो मारुति सुजुकी की ही एक सहायक कंपनी है। यह कदम कंपनी की भारत केंद्रित रणनीति का हिस्सा है। बता दें कि मारुति सुजुकी की मूल कंपनी सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन जापान ने हाल ही में अपनी नई रणनीति की घोषणा की है।

इसका मुख्य कारण भारत में कंपनी का घटता मार्केट शेयर और बढ़ता हुआ ईवी सेगमेंट है। कंपनी भारत में 50 फीसदी मार्केट शेयर हासिल करना चाहती है। इसके लिए वह सालाना 40 लाख गाड़ियां बनाने की क्षमता तैयार करना चाहती है। कंपनी भारत को ग्लोबल एक्सपोर्ट हब के रूप में भी इस्तेमाल करना चाहती है। 2025-30 के लिए अपनी नई योजना में सुजुकी मोटर ने भारत को अपना सबसे महत्वपूर्ण बाजार बताया है।

कंपनी ई-विटारा के साथ अपने ईवी पोर्टफोलियो का विस्तार करेगी। बता दें कि मारुति सुजुकी फिलहाल भारत से हर साल 3 लाख गाड़ियां निर्यात करती है। कंपनी का लक्ष्य है कि इस दशक के अंत तक यह संख्या बढ़कर 7.5 से 8 लाख यूनिट हो जाए। इसके लिए सुजुकी मोटर ने उत्पादन, नए मॉडल और क्वालिटी इम्प्रूवमेंट के लिए लगभग 7,000 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बनाई है।

मेटा ने गोपनीय जानकारी लीक करने वाले 20 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

वाशिंगटन।

फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा ने गोपनीय जानकारी लीक करने के आरोप में करीब 20 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। यह कदम कंपनी की आंतरिक जांच के बाद उठाया गया, जिसमें पाया गया कि कुछ कर्मचारियों ने घोषित न किए गए प्रोडक्ट प्लान और इंटरनल बैठकों की जानकारी बाहर साझा की थी। मेटा लंबे समय से कंपनी की आंतरिक जानकारी लीक करने के खिलाफ सख्त नीति अपना रही है।

सीईटो मार्क जुकरबर्ग और सीटीओ एंड्रयू बोसवर्थ ने भी नाराजगी जताई है। बोसवर्थ ने कहा कि जानकारी लीक करने वालों को पकड़ने की क्षमताएं लगातार बेहतर हो रही हैं।

मेटा के प्रवक्ता ने बताया कि हाल ही में एक जांच की है जिसके बाद करीब 20 कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया गया है। आने वाले समय में और भी कार्रवाई हो सकती है। पिछले कुछ महीनों में मेटा की इंटरनल जानकारी लीक होने की घटनाएं बढ़ीं। सीईओ मार्क जुकरबर्ग की इंटरनल बैठकों से जुड़ी डिटेल्स मीडिया में लीक हो गईं। ऑल-हैंड्स बैठक की जानकारी सार्वजनिक हो गई, जिससे कंपनी नाराज थी। कई अनाउंस न किए गए प्रोडक्ट और अपकमिंग फीचर्स की जानकारी बाहर आ चुकी थी।

मेटा ने साफ कर दिया है कि वह कंपनी की गोपनीयता बनाए रखने के लिए कड़े कदम उठाएगा और जो भी कर्मचारी नियमों का उल्लंघन करेगा, उसके खिलाफ बर्खास्तगी जैसी कड़ी कार्रवाई होगी।

अब एनएफओ से जुटाई रकम 30 दिन में करनी होगी निवेश

एएमसी के लिए सेबी ने बनाए नए नियम, 1 अप्रैल से होंगे लागू

मुंबई। सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने एसेट मैनेजमेंट कंपनियों (एएमसी) के लिए नए नियम जारी किए हैं। अब न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) के जरिए जुटाई गई रकम को 30 दिनों में निवेश करना अनिवार्य होगा। एएमसी को नए फंड ऑफर से जुटाए गए पैसे को 30 दिनों में निवेश करना होगा। यदि एएमसी तय समय में निवेश नहीं कर पाती है, तो उसे अपनी इन्वेस्टमेंट कमेटी को लिखित में कारण देना होगा। इन्वेस्टमेंट कमेटी कारणों की जांच कर सकती है और अतिरिक्त 30 दिन का समय दे सकती है। सेबी ने 27 फरवरी यानी गुरुवार को इस संबंध में एक सर्कुलर जारी किया है। नया नियम 1 अप्रैल 2025 से लागू होगा। अगर 60 दिनों में फंड निवेश नहीं किया जाता, तो उस एनएफओ में नए निवेश पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। निवेशकों को बिना किसी चार्ज के पैसा वापस लेने की अनुमति होगी। निवेशकों का पैसा फंसेगा नहीं और फंड हाउस पर दबाव बढ़ेगा। निवेशकों को पारदर्शिता मिलेगी। एएमसी को अपनी निवेश रणनीति को सटीक बनाना होगा।

1 मार्च से उत्तर भारत के 9 शहरों में ऑनलाइन डिलीवरी की शुरुआत करेगी आइकिया

मुंबई ।

स्वीडन की होम फर्निशिंग रिटेलर आइकिया अब दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत में प्रवेश करने को तैयार है। कंपनी 1 मार्च से दिल्ली-एनसीआर के साथ-साथ आगरा, प्रयागराज, अमृतसर, चंडीगढ़, जयपुर, कानपुर, लखनऊ, लुधियाना और वाराणसी सहित 9 शहरों में ऑनलाइन डिलीवरी की शुरुआत कर रही है। इन इलाकों के ग्राहक आइकिया एप, कंपनी की वेबसाइट तथा फोन के जरिए उपलब्ध खरीद सहायता का उपयोग करके कंपनी के 7000 से अधिक प्रोडक्ट्स को देख और खरीद सकते है। आइकिया वर्तमान में भारत के पांच बाजारों में मौजूद है। कंपनी के हैदराबाद, नवी मुंबई और बेंगलुरु में 3 बड़े-फॉर्मेट वाले स्टोर और वर्ली में एक सिटी स्टोर है। आइकिया इंडिया की सीईओ और चीफ सस्टेनेबिलिटी ऑफिसर सुजैन पल्वरर ने कहा, हैदराबाद

में अपना पहला स्टोर खोलने के बाद से हमें उत्तर भारत से निरंतर अच्छा रिस्पांस मिल रहा था। हमारे बी2बी चैनलों के माध्यम से इन शहरों से सैकड़ों ऑर्डर आ रहे हैं, हमें लगातार ऑनलाइन सर्च किया जा रहा है, एप डाउनलोड किए जा रहे हैं, और सोशल मीडिया पर लगातार सवाल पूछे जा रहे हैं। हमारी भारत की कहानी में यह एक खाली जगह थी। हम आइकिया को उत्तर भारत में लांच करने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दिल्ली एनसीआर और अन्य मार्केट्स में यह लांच हमारे भविष्य के विकास के लिए एक मजबूत नींव साबित होगा। पुल्वरर ने कहा कि चाहे वह कई पीढ़ियों का रहन-सहन हो, कम खर्च में रहन-सहन हो, बच्चों की परवरिश हो या छोटी जगहों का बेहतर इस्तेमाल हो, भारतीय घरों की खास जरूरतों की हमारी गहरी समझ के साथ हमारा लक्ष्य उत्तर भारत में उपयोगी समाधान लाना है। इससे हम इन समाधानों और उत्पादों की हमारी विस्तृत श्रृंखला को तमाम लोगों तक पहुंचा पाएंगे। हम जल्द ही इस क्षेत्र में अपने स्टोर खोलने के करीब पहुंच रहे हैं।

पेटीएम ऐप पर अब यूजर्स के लिए मिलेगा एआई इंटीग्रेटेड सर्च ऑप्शन

मुंबई ।

पेटीएम ऐप पर अब यूजर्स के लिए एआई इंटीग्रेटेड सर्च ऑप्शन मिलेगा। इसके लिए फिनटेक कंपनी पेटीएम ने एआई स्टार्टअप परप्लेक्सिटी के साथ टाइअप करने की घोषणा की है।

यूजर्स अपनी लोकल भाषा में इस फीचर के जरिए रियल टाइम इन्फॉर्मेशन और फाइनेंशियल इनसाइट्स एक्सेस कर सकेंगे। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में इसकी जानकारी दी है। कंपनी का कहना है कि इस फीचर से यूजर्स की फाइनेंशियल लिट्रेसी बढ़ेगी। यूजर्स बैंकिंग, निवेश, खर्च से जुड़े विषयों की जानकारी आसानी से पा सकेंगे। इससे उन्हें फाइनेंस से जुड़े डिसीजन लेने में मदद मिलेगी। वहीं पेरप्लेक्सिटी के सीईओ अरविंद श्रीनिवास ने कहा कि यह तकनीक लोगों को रियल-टाइम में भरोसेमंद जानकारी देने में मदद करेगी। आईआईटी ग्रेजुएट ने 2022 में बनाया परप्लेक्सिटी परप्लेक्सिटी यूएस बेस्ड एआई सर्च इंजन स्टार्टअप कंपनी है। आईआईटी मद्रास से ग्रेजुएट अरविंद श्रीनिवास ने 2022 में परप्लेक्सिटी को बनाया था। अरविंद श्रीनिवास ओपन एआई में एआई रिसर्चर के तौर पर भी काम कर चुके हैं।

गूगल सर्च के कॉम्पिटिटर परप्लेक्सिटी ने हाल ही में 500 मिलियन डॉलर की फंडिंग हासिल की थी। इससे पहले कंपनी ट्रिपएडवाइजर के साथ भी इसी तरह का टाइअप कर चुकी है।

पेटीएम को एफवाय25क्यू3 में रुपए 208 करोड़ का लॉस पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस का वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में नेट लॉस 208 करोड़ रुपए रहा।

एक साल पहले की समान तिमाही में पेटीएम का घाटा 220 करोड़ रुपए था। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 36 प्रतिशत गिरकर 1,828 करोड़ रुपए हो गया। एक साल पहले की समान तिमाही यानी, क्यू3एफवाय24 में यह 2,850 करोड़ रुपए था।

सोना 85 हजार के नीचे आया, चांदी 93 के करीब, सोना खरीदने का यही सही समय

मुंबई।

सोने और चांदी के वायदा कारोबार में शुक्रवार का गिरावट दर्ज की गई। सोना 85 हजार के नीचे आ गया, जबकि चांदी के भाव भी 93,200 के करीब कारोबार कर रही हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का अप्रैल वायदा 297 की गिरावट के साथ 84,899 पर खुला। खबर लिखे जाने तक सोना 84,880 रुपए प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहा था। आज दिन में सोने ने 84,912 का उच्चतम और 84,846 का न्यूनतम स्तर को छुआ। इस महीने सोने ने 86,592 का अब तक का उच्चतम स्तर छू लिया था।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर मार्च वायदा चांदी 406 की गिरावट के साथ 93,229 पर खुली। ट्रेडिंग के दौरान यह 93,229 के उच्चतम और न्यूनतम स्तर तक ही सीमित रही। पिछले साल चांदी ने 1,00,081 प्रति किलोग्राम का उच्चतम स्तर छुआ था। कोमेक्स पर सोना 2,889 डॉलर प्रति औंस पर खुला, जो पिछले क्लोजिंग प्राइस 2,895.90 डॉलर प्रति औंस से कम था। 2,885.20 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। अगर आप सोना-चांदी खरीदने का प्लान बना रहे हैं, तो यह सही समय हो सकता है। हालांकि, आगे कीमतों में और गिरावट या उछाल आ सकता है, इसलिए निवेश करने से पहले बाजार पर नजर बनाए रखें।

कोलकाता के बाद चेन्नई में खुला उड़ान यात्री कैफे, 10 रुपये में चाय और 20 रुपये में समोसा

देश के दूसरे अन्य एयरपोर्ट पर भी कैफे खोलने की तैयारी

नई दिल्ली ।

एयरपोर्ट पर चाय और समोसे का रेट देखकर ज्यादातर यात्री खाने का मन नहीं बनाते हैं। लेकिन मोदी सरकार के प्रयास से अब आम आदमी भी एयरपोर्ट पर चाय और समोसे का मजा ले सके हैं। इसी कड़ी में एयरपोर्ट पर अब 10 रुपये में चाय और 20 रुपये में समोसा मिलना शुरु हुआ हो गया है। यात्री कैफे की शुरुआत 19 दिसंबर को कोलकाता एयरपोर्ट से हुई थी और अब चेन्नई में भी इसतरह का कैफे खुल गया है। माना जा रहा है कि कोलकाता और चेन्नई के बाद अब दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट्स का भी नंबर आ सकता है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने बताया कि यह कैफे चेन्नई एयरपोर्ट के डोमेस्टिक टर्मिनल-1 पर चेक-इन से पहले एरिया में खुला है। यहां 10 रुपये में चाय, 10 रुपये में पानी की बोतल और 20 रुपये में समोसा, कॉफी और मिठाई खरीदी जा सकती है। नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने चेन्नई एयरपोर्ट पर उड़ान यात्री कैफे का उद्घाटन किया। पहला उड़ान यात्री कैफे 19 दिसंबर को कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर किया गया था।

एयरपोर्ट एथॉरिटी ऑफ इंडिया ने कोलकाता एयरपोर्ट की 100वीं वर्षगांठ पर यात्रियों को देश के पहले उड़ान यात्री कैफे का गिफ्ट दिया था। कोलकाता एयरपोर्ट के डिपार्चर एरिया में यात्री उड़ान कैफे खोला गया है। इसमें चाय, कॉफी, स्नैक्स और पानी जैसी चीजें सस्ती कीमत पर बेची जा रही है। इस योजना का मकसद हवाई यात्रा को अधिक किफायती बनाना है, क्योंकि भारत में एविएशन सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इंग्लैंड को हराकर आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी दक्षिण अफ्रीका

कराची (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका की टीम शनिवार को यहां होने वाले चैम्पियंस ट्रॉफी ग्रुप बी के अंतिम लीग मैच मुकाबले में इंग्लैंड को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका टीम का पलड़ा भारी है क्योंकि इंग्लैड की टीम का प्रदर्शन अब तक उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है और वह अपने दोनो ही मैच हारी है। पहले मैच में उसे ऑस्ट्रेलिया जबकि दूसरे मैच में अफगानिस्तान ने हराया। दक्षिण अफ्रीका ने अभी तक इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। उसके अधिकतर खिलाड़ी भी लय में हैं जिसका लाभ उसे मिलेगा। वहीं दूसरी और इंग्लैंड की बल्लेबाज जो रुट पर ही टिक है। अन्य बल्लेबाज अब तक असफल रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका की टीम ने अभी तक केवल एक मैच ही खेला है जिसमें उसने अफगानिस्तान को 107 रन के बड़े अंतर से हराया था। इस मैच में उसके बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन ने शतक लगाया, जबकि कप्तान टेम्बा बावुमा, रासी वान डेर डुसेन और एडेन मार्क्रम ने अर्धशतक लगाये, जिससे दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 315 रन बनाए और इसके बाद अफगानिस्तान को 208 रन पर ही समेट दिया। वहीं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसका मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया। दक्षिण अफ्रीका की टीम के खिलाफ जो बात जा रही है वह ये है कि वह बड़े मुकाबलों में दबाव का सामना करते हुए बिखर जाती है हालांकि आईसीसी की प्रतियोगिताओं में उसका प्रदर्शन अच्छा रहा है पर पिछले एक साल में वह उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पायी है। दक्षिण अफ्रीका को पिछले 12 एकदिवीसयय मैच में से आठ में हार का सामना करना पड़ा है। इससे पहले पाकिस्तान में खेली गई त्रिकोणीय सीरीज में भी दक्षिण अफ्रीका फाइनल में जगह नहीं बना पायी थी। ऐसे में इंग्लैंड के खिलाफ मैच में उसको अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखनी होगी क्योंकि इंग्लैंड की टीम जीत के साथ ही अपने अभियान का समापन करना चाहेगी। पहले ही सेमीफाइनल से बाहर होने के कारण उस

पर किसी भी प्रकार का मनोवैज्ञानिक दबाव भी नहीं रहेगा। उसकी कमजोर कड़ी ये है कि रूट को छोड़कर कोई भी खिलाड़ी आत्मविश्वास से भरा हुआ नहीं दिखता है। चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले भारतीय टीम के खिलाफ तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज में उसे सभी मैच में हार का सामना करना पड़ा था। उसकी टीम को हार के इस क्रम को तोड़ने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। अफगानिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में रूट ने 120 रन की शानदार पारी खेली थी पर उसके बाद भी अन्य बल्लेबाज लक्ष्य हासिल नहीं कर पाये। वहीं पहले मैच में उसके गेंदबाज

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

इंग्लैंड = जोस बटलर (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, टॉम बैंटन, हैरी ब्रूक, रेहान अहमद, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, जेमी स्मिथ, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, जो रूट, साकिब महमूद, फिल साल्ट, मार्क वुड।

दक्षिण अफ्रीका = टेम्बा बावुमा (कप्तान), टोनी डी ज़ोरज़ी, मार्को जानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्क्रम, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, कैगिसो रबाडा, रेयान रिकेलटन, तबरेज़ शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स, रासी वैन डेर डुसेन, कॉर्बिन बॉश।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 300 से अधिक बड़े लक्ष्य का बचाव भी नहीं कर पाये।

चैम्पियंस ट्रॉफी मेरे करियर का अंतिम आईसीसी टूर्नामेंट होगा: डुसेन

कराची (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज रासी वैन डेर डुसेन ने कहा कि कहा है कि चैम्पियंस ट्रॉफी उनके करियर का अंतिम आईसीसी टूर्नामेंट होगा। डूसने ने ये बात शनिवार को कराची के नेशनल स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाल आखिरी ग्रुप स्टेज मैच से पहले कही है। डुसेन ने कहा, यह निश्चित रूप से एक संभावना है कि यह मेरा आखिरी आईसीसी टूर्नामेंट हो। मैं यह इसलिए कह रहा हूं क्योंकि या तो में नहीं खेलूंगा या प्रबंधन मुझे नहीं शामिल करेगा। इस क्रिकेटर ने कहा कि उनके लिए अपने देश के लिए खेलना हमेशा उनका सबसे बड़ा लक्ष्य रहा है।

डूसन ने कहा, मेरा अंतिम लक्ष्य हमेशा अपनी टीम के लिए खेलना रहा है। लोग मुझसे पूछ रहे हैं, क्या आप इसके बाद लीग खेलेंगे? मुझे नहीं पता। मुझे नहीं पता कि टीम के लिए नहीं खेलने की संभावना समाप्त हो जाएगी या नहीं हालांकि, मुझमें लीग में खेलने की भूख बनी रहेगी। अपने देश का प्रतिनिधित्व करना हमेशा से मेरा सबसे बड़ा और एकमात्र लक्ष्य रहा है, इसलिए अगर यह लक्ष्य पूरा नहीं होता है, तो मुझे नहीं पता कि मैं क्या करूंगा। अगर मुझे दूसरा अनुबंध दिया जाता है, तो मैं निश्चित रूप से इसे स्वीकार करूंगा और उस अवधि के लिए प्रतिबद्ध रहूंगा। इस खिलाड़ी ने टीम के युवा बल्लेबाजों ट्रिस्टन स्टब्स, टोनी डी ज़ोरज़ी और मैथ्यू ब्रीट्ज़के की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, यह बहुत अच्छी बात है कि इतने सारे युवा खिलाड़ी सामने आ रहे हैं, जो वाकई अच्छा खेल रहे हैं। ट्रिस्टन स्टब्स या टोनी डी जोरजी जैसे खिलाड़ी किनारे पर बैठे हैं।

रोहित न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में बना सकते हैं एक रिकार्ड

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले अंतिम लीग मैच में सबसे अधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बन सकते हैं। अभी ये रिकार्ड पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी के नाम है।

रोहित अगर आने वाले मैच में 11 छक्के लगाने में कामयाब होते हैं तो वह एकदिवसीय में सबसे तेज 350 छक्के लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। भारतीय टीम पहले ही टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। रोहित ने अब तक एकदिवसीय में 339 छक्के लगाए हैं। अगर वह आने वाले मैच में 11 छक्के लगाने में सफल होते हैं तो वह वनडे में सबसे तेज 350 छक्के लगाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। वहीं 13 छक्के लगाने से वह शाहिद अफरीदी (351) को पीछे छोड़कर एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। रोहित अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 632 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज हैं।

हर्ष दुबे ने रचा इतिहास, रणजी ट्रॉफी के एक सत्र में सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम किया

नागपुर (एजेंसी)। हर्ष दुबे (88 रन पर तीन विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन ने विदर्भ ने शुक्रवार को केरल के खिलाफ रणजी ट्रॉफी फाइनल में तीसरे दिन पहली पारी में 37 रन की बढ़त हासिल कर ली। हर्ष इसके साथ ही रणजी इतिहास में किसी भी गेंदबाज द्वारा एक सत्र में सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम करने में सफल रहे।

इस युवा वामहस्त स्पिनर ने इस सत्र में अब तक 69 विकेट चटका कर 2018-19 में बिहार के आशुतोष अमन के 68 विकेट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। केरल के कप्तान सचिन बेबी (98) दो रन से शतक से चूक गये जबकि अनुभवी आदित्य सरवटे ने 185 गेंद में 79 रन की शानदार पारी खेली लेकिन विदर्भ के गेंदबाजों ने धैर्य बनाये रखते हुए केरल की पहली पारी को 342 रन पर समेट दिया।

विदर्भ ने पहली पारी में 379 रन बनाए थे। सरवटे दिन के पहले सत्र में आउट हुए जबकि सलमान निजार (21) और मोहम्मद अजहरुद्दीन (34) अपनी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल सके। दुबे के साथ दर्शन नालकंडे (52 रन पर तीन विकेट) और पार्थ रेखाडे (65 रन पर तीन विकेट) ने भी तीन-तीन विकेट

लिए। हर्ष ने सरवटे को पहली स्लिप में कैच करा कर रणजी ट्रॉफी के वर्तमान सत्र में अपना 67वां विकेट हासिल किया।

इसके बाद उन्होंने लंच से ठीक पहले निजार को पगबाधा आउट करके बिहार के आशुतोष अमन के एक सत्र में सर्वाधिक 68 विकेट लेने के रिकॉर्ड की बराबरी की। उन्हें हालांकि अपने तीसरे विकेट के लिए काफी पसीना बहना पड़ा। उन्होंने एमडी निधीश (एक) को पगबाधा कर रणजी सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। सरवटे ने अपना बल्ला फ्रंटफुट के पास रख रक्षात्मक रवैया अपनाया लेकिन हर्ष की गेंद अतिरिक्त उछाल ली और स्थानापन्न क्षेत्ररक्षक अमन मोखड़े ने आसान कैच पकड़ लिया।

सरवटे ने 185 गेंद की पारी में चौथे विकेट के लिए कप्तान के साथ 63 रन जोड़े। सचिन बेबी ने इसके बाद निजार के साथ पांचवें विकेट के लिए 49 रन और अजहरुद्दीन के साथ छठे विकेट के लिए 59 रन साझेदारी की लेकिन उनका प्रयास टीम को पहली पारी में बढ़त दिलाने के लिए पर्याप्त नहीं था। निजार ने अपनी 42 गेंद की पारी में तीन चौके लगाये। उन्हें हर्ष की गेंद पर पगबाधा दिया गया। केरल के खिलाड़ियों ने हालांकि इस फैसले पर निराशा जताई।

निजार ने हर्ष की ऑफस्टंप की बाहर टप्पा खाने वाली गेंद को छोड़ने के लिए बल्ला ऊपर उठा दिया लेकिन गेंद अधिक घुमाव के साथ उनके पैर से टकरा गया। मैदानी अंपायर अनिल चौधरी ने शॉट न खेलने के कारण बल्लेबाज को पगबाधा घोषित कर दिया। निजार ने डीआरएस लिया लेकिन रीप्ले में भी गेंद विकेटों से टकरते दिखी। अजहरुद्दीन फ्लिक करने का प्रयास किया नलकंडे की गेंद पर पगबाधा हुए।

बून अब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया बोर्ड के सदस्य बनेंगे : बेयर्ड

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डेविड बून अब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के बोर्ड में शामिल होंगे। बून अभी आईसीसी मैच रेफरी हैं पर वह अपना पद चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद छोड़ देंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार बून मार्च के अंत में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के बोर्ड में शामिल होंगे। बून अभी तस्मानिया बोर्ड के अध्यक्ष हैं और उन्हें सीए के निवर्तमान अध्यक्ष पॉल ग्रीन की जगह शामिल किया जाएगा। इसी को लेकर सीए के अध्यक्ष माइक बेयर्ड कहा, ''बून एक खिलाड़ी और क्रिकेट प्रशासक के रूप में अपने लंबे अनुभव को लेकर सीए बोर्ड में आएंगे जिससे उसे आगे ले जाने में सहायता मिलेग।

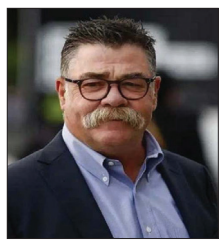

उन्होंने कहा, ''बून ने आईसीसी मैच रेफरी के रूप में अपनी भूमिका से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के बारे में काफी जानकारी हासिल की है और ये ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को आगे ले जाने में अहम भूमिका निभाएगी। गौरतलब है कि बून साल 2011 से ह ही आईसीसी मैच रेफरी हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 107 टेस्ट और 181 एकदिवसीय मैच खेले जिसमें उन्होंने कुल 13,386 अंतरराष्ट्रीय रन बनाए। वह 1987 में विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम के सदस्य थे। बून चयनसमिति में भी शामिल रहे हैं।

रिजवान बोले, फखर और अयूब के नहीं होने से हारे

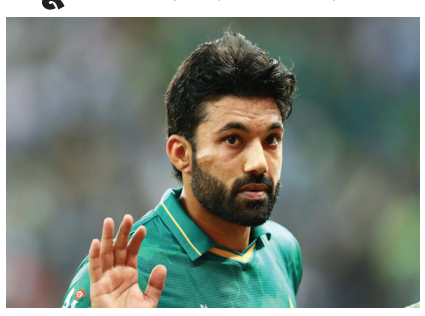

रावलपिंडी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में टीम के खराब प्रदर्शन की बात स्वीकार करते हुए कहा कि दो प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने के कारण टीम को हार का सामना करना पड़ा है। पाक टीम टूर्नामेंट में अपने दोनो मैच हारकर शुरुआत में ही सेमीफाइल की दौड़ से बाहर हो गयी जिससे कारण टीम की जमकर आलोचना हो रही है। इसी को लेकर अब रिजवान ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि सैम अयूब और फखर जमान जैसे स्टार खिलाड़ियों के नहीं होने से टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी। अयूब और फखर चोटिल होने के कारण पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो गये थे। अयूब टखने में चोट की वजह से बाहर हो गए थे। वहीं फखर न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मुकाबले में चोटिल हुए थे। पाकिस्तान को चैंपियंस ट्रॉफी में लीग के पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड से और दूसरे मैच में भारत से हार का सामना करना पड़ा जबकि उसका बांग्लादेश के खिलाफ तीसरा लीग मुकाबल बारिश के हो रद्द हो गया। रिजवान ने कहा कि हम अपने खराब प्रदर्शन से दुखी हैं क्योंकि हमने अपने प्रशंसकों की उम्मीदें तोड़ी हैं। हम मानते हैं कि हमने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया पर वादा करते हैं कि हम और कड़ी मेहनत कर विश्वस्तर पर वापसी करेंगे। उन्होंने कहा अयूब और फखर के नहीं होने से टीम का संतुलन खराब हो गया। दोनों खिलाड़ी पिछले कुछ महीनों से अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे जिससे टीम संतुलित थी पर इनके बाहर होने से हालात विपरीत हो गये।

बदतमीजी मेरे से... वसीम अकरम ने माना- पाक टीम का कोच बनने पर झेलनी पड़ती है जिल्लत

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के महान तेज गेंदबाज और पूर्व कप्तान वसीम अकरम का मानना है पाकिस्तान क्रिकेट टीम का कोच बनना किसी चुनौती से कम नहीं है। अकरम को अक्सर क्रिकेट शो के दौरान पाकिस्तानी टीम की खामियों पर बात करते हुए देखा जाता रहा है। सोशल मीडिया पर कई फैंस उन्हें कोच बनने का ऑफर भी करते रहे हैं, लेकिन वसीम हर बार गोलमोल जवाब देकर बात को टाल जाते थे। लेकिन इस बार वसीम अकरम ने इस पर खुलकर बात की। उन्होंने ड्रेसिंग रूम शो में एक प्रशंसक के सवाल का जवाब देते हुए साफ तौर पर कहा कि वह प्रशंसकों द्वारा किए गए खराब व्यवहार को बर्दाश्त नहीं कर सकते, जिसका सामना वकार यूनिस सहित उनके पूर्व साथियों ने अपने मुख्य कोच रहने के दौरान किया था। इसी कारण वह कभी पाकिस्तान का कोच बनने की नहीं सोचते।

वसीम अकरम ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो ऐसे बहुत सारे लोग है जो अभी भी बातों बातों में मेरी आलोचना करते हैं। कहते हैं कि इससे जितनी मर्जी बात करा लो खुद कुछ करता नहीं है। जब मैं वकार (यूनिस) सहित पाकिस्तानी कोचों को देखता हूं, जो कई बार कोच रह चुके हैं। और मैं उनके साथ हुआ हाल देखता हूं कि आप (क्रिकेटर) लोग किस तरह बदतमीजी करते हैं अपने कोचों से। यह बदतमीजी मेरे से बर्दाश्त नहीं होगी। वनडे में 500 विकेट लेने वाले अकरम ने कहा कि वह टीम के लिए जरूरत पड़ने पर मुफ्त में भी उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि मैं पाकिस्तान क्रिकेट की मदद करना चाहता हूं। आपको मुझे भुगतान क्यों करना होगा? मैं निःशुल्क उपलब्ध हूं। जब भी आप मुझे शिविर के लिए बुलाओगे, मैं आऊंगा। अगर आप मुझे किसी टूर्नामेंट में शामिल करेंगे तो मैं खिलाड़ियों के साथ समय बिताऊंगा। लेकिन मैं 58 साल का हूं। मेरा एक परिवार है, एक 10 साल की बेटी। मेरे दो लड़के हैं। मैं उनके साथ समय बिताना चाहता हूं। लेकिन जैसा कि मैंने कहा, जब भी मेरे पास समय होता है, मैं बच्चों के लिए शिविर आयोजित करने के लिए हमेशा उपलब्ध रहता हूं, यहां तक निःशुल्क भी। मैं चला जाऊंगा, पाकिस्तान टीम का कोई टूर्नामेंट आ रहा है, उनका कैंप लगता है, मैं आ जाऊंगा। ये मैं कर सकता हूं लेकिन ऐसी बेइज्जती नहीं करा सकता इस उमर में।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले खिलाड़ियों को अभ्यास का अवसर देगा बीसीसीआई !

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम जून में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलेगी। भारतीय टीम को इस दौर पर पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। इस सीरीज की तैयारी का अवसर भारतीय बोर्ड बीसीसीआई आईपीएल के दौरान देगा। अभी भारतीय टीम दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 खेल रही है। इसके बाद वह आईपीएल खेलेगी। इस साल की शुरुआत से ही भारतीय टीम ने सफेद गेंद वाली क्रिकेट खेली है। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई आईपीएल सत्र के दौरान खिलाड़ियों को टेस्ट क्रिकेट, लाल गेंद के प्रारूप से जुड़े रहने के लिए एक योजना पर काम कर रहा है। ऐसी संभावना है कि खिलाड़ियों को लाल गेंद के अभ्यास सत्र में भाग लेने के लिए भी कहा जा सकता है, क्योंकि इंग्लैंड का दौरा अहम है। वहीं जो टीमें आईपीएल में आगे नहीं जाएंगी उनमें शामिल टेस्ट खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए कहा जाएगा। आईपीएल 22 मार्च से 25 मई तक चलेगा। इसके करीब 25 दिन बाद से भारतीय टीम को इंग्लैंड में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है।

डब्ल्यूपीएल : गार्डनर के अर्धशतक से गुजरात जायंट्स ने आरसीबी को हराया

बेंगलुरु (एजेंसी)। कप्तान एश्ले गार्डनर के शानदार अर्धशतक से गुजरात जायंट्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 6 विकेट से हरा दिया। इस मैच में टॉस जीतकर गुजरात ने आरसीबी को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। आरसीबी ने 7 विकेट पर 125 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले इस लक्ष्य को गुजरात ने 17 ओवरों में ही 4 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया।

गुजरात की ओर से गार्डनर ने 58 जबकि लिचफील्ड ने 30 रन बनाए। आरसीबी की ओर से रेणुका ठाकुर और जॉर्जिया वेयरहम ने दो-दो विकेट लिए। वहीं इससे पहले बल्लेबाजी

करते हुए आरसीबी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 25 रनों पर ही 3 विकेट खो दिए। कप्तान स्मृति मंधाना भी 10 रन ही बना पायीं। वहीं डैनी व्याट केवल 4 रनों पर ही पेवेलियन लौट गयीं। एलिस पेरी भी शून्य पर ही आउट हो गयीं। इसके बाद राघवी बिष्ट ने 22 और कनिका अहुजा ने 33 रन बनाकर स्कोर 70 रनों के ऊपर पहुंचाया। ऋचा घोष ने 9 रन बनाये। जॉर्जिया वेयरहम ने 20 और किम गार्थ ने 14 रन बनाकर स्कोर किसी प्रकार 125 रनों तक पहुंचाया। वहीं गुजरात की ओर से डिएंड्रा डॉटिन और तनुजा कंवर ने 2-2 खिलाड़ियों को आउट किया। एश्ले गार्डनर और काशवी गौतम को 1-1 विकेट मिला।

इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजराज ने 17वें ओवर में ही मुकाबला जीत लिया। उसने 66 रनों पर ही तीन विकेट हो दिये। बेथ मूनी 17, दयालन हेमलता 11 और हरलीन देओल 5 रन बनाकर पेवेलियन लौटीं। इसके बाद गार्डनर ने फिर फीब लिचफील्ड के साथ पारी संभाली और टीम को लक्ष्य तक पहुंचाय। गार्डनर और लिचफील्ड के बीच 51 रन की साझेदारी हुई। गुजरात को इस सत्र में अपनी दूसरी जीत मिली है। इस प्रकार टीम चार अंक लेकर तालिका में 5वें नंबर पर है।

पाक सरकार टीम की हार के कारण पता लगाएगी : सनाउल्लाह

लाहौर। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान टीम के बाहर होने से देश भर में निराशा और गुस्से का माहौल है। इसी को देखते हुए प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ के सलाहकार, राणा सनाउल्लाह ने सरकार इस बार का पता लगायेगी कि टीम शुरुआत में ही कैसे बाहर हो गयी। सनाउल्लाह ने बताया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ व्यक्तिगत रूप से राष्ट्रीय टीम के प्रदर्शन पर ध्यान देंगे। इस मामले को संसद में भी उठाया जाएगा। सनाउल्लाह ने यह भी कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) एक स्वतंत्र निकाय है और अपने फैसले स्वयं ले सकता है, वह व्यक्तिगत रूप से प्रधान मंत्री शहबाज से इस मुद्दे को कैबिनेट और संसद में उठाने का आग्रह करेंगे। उन्होंने कहा कि यह मामला केवल चेयरमैन की नियुक्ति तक ही सीमित नहीं है। वहीं पीसीबी अधिकारियों के वेतन के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि उच्च पदस्थ अधिकारियों को प्रति माह 5 मिलियन रुपये तक दिये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि कई अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों से अनजान हैं और उन्हें अपने कर्तव्यों को पूरा किए बिना ही पैसे दिये जा रहे हैं। सनाउल्लाह ने कहा कि इस टूर्नामेंट के लिए हमने 12 से 14 अरब रुपए खर्च किए पर टीम अपमानजनक तरीके से बाहर हो गयी। मुझे इस बात का बहुत दुख है। हमारे देश में ही दुनिया क्रिकेट खेलेगी और हम केवल देखेंगे। साथ ही कहा कि जितना ध्यान स्टेडियम बनाने में लगाया उतना टीम पर लगाया होता तो ये हालत नहीं होती।

शुभमन गिल का भारत के लिए वर्तमान और भविष्य शानदार है : शिखर धवन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन को लगता है कि शानदार फॉर्म में चल रहे शुभमन गिल का भारत के लिए वर्तमान और भविष्य शानदार है। यह युवा खिलाड़ी मौजूदा आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में शानदार फॉर्म में है। गिल ने शुरुआत बांग्लादेश के खिलाफ नाबाद शतक के साथ की जबकि कट्टर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने 46 रनों की पारी खेली। दो मैचों में 147 रन के साथ वह विराट कोहली (122 रन) से आगे हैं और भारत के शीर्ष स्कोरर हैं।

धवन ने कहा, 'मुझे शुभमन गिल की बल्लेबाजी बहुत पसंद है, यह बहुत ही उत्तम दर्जे की है और उनकी बल्लेबाजी में लालित्य है। और उनमें निरंतरता है; यह देखकर अच्छा लगता है कि उनमें इतना पेशेवरपन है। युवा लड़के हैं, वे अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाना जानते हैं और लगातार रन बना रहे हैं। रोहित को युवाओं के साथ खेलना अच्छा लगता है और वह अपने कई सालों के अनुभव को उनके साथ साझा करते होंगे। मुझे यकीन है कि वह उनकी पीठ थपथपाते होंगे और उन्हें बताते होंगे कि किसी भी परिस्थिति में कैसे खेलना है। ये छोटी-छोटी बातें बहुत महत्वपूर्ण हैं।

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की कमी के बावजूद धवन ने कहा कि उनकी कमी खलेगी, लेकिन उन्होंने कहा कि हर्षित राणा के लिए वनडे टीम में अपनी जगह पक्की करने का यह एक बड़ा मौका है। राणा ने टूर्नामेंट में अब तक चार विकेट लिए हैं। उन्होंने कहा, 'जसप्रीत बुमराह एक बहुत बड़ा नाम है, एक बहुत बड़ा गेंदबाज है। वह वहां लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। बेशक, उसकी मौजूदगी की बहुत कमी खल रही थी। कोई कुछ कहे या न कहे, मुझे 100त्न लगता है कि उसकी मौजूदगी बहुत महत्वपूर्ण है। हर्षित राणा के लिए यह एक बहुत अच्छा मंच है। उसके पास जुनून और आक्रामकता है, और मुझे उसका विकेट लेने का तरीका पसंद है। उसके लिए यह एक शानदार मौका है, रोहित और विराट का मार्गदर्शन भी है। उसे उनसे सीखना चाहिए और इस मौके का फायदा उठाना चाहिए।'

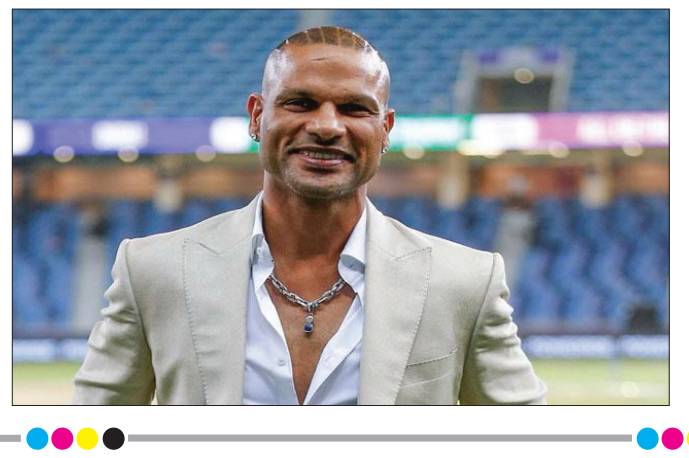

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सरसों में रोग अनेक उपाय एक

तोरिया और तारामीरा भारत की प्रमुख तिलहनी फसलें हैं। इसमें 25 बीमारियां लगती हैं। इन रोगों से बचाव कर सरसों का उत्पादन बढ़ाने का एकमात्र उपाय सरसों का फसल में समन्वित रोग प्रबंधन प्रणाली अपनाना ही है। सरसों के मुख्य रोग एवं उनका समन्वित प्रबंधन इस प्रकार है :-

सरसों

तोरिया और तारामीरा भारत की प्रमुख तिलहनी फसलें हैं। इसमें 25 बीमारियां लगती हैं। इन रोगों से बचाव कर सरसों का उत्पादन बढ़ाने का एकमात्र उपाय सरसों का फसल में समन्वित रोग प्रबंधन प्रणाली अपनाना ही है। सरसों के मुख्य रोग एवं उनका समन्वित प्रबंधन इस प्रकार है :-

सफेद रोली

यह रोग एल्बूगो कैन्डिडा कवक द्वारा उत्पन्न होता है। जड़ को छोड़कर पौधों के सभी भागों पर रोग के लक्षण दिखाई देते हैं। रोग का प्रभाव पौधे पर दो प्रकार से होता है :

1. स्थानीय 2. सर्वांगी

स्थानीय संक्रमण में पत्तियों और तनों पर फफोले बनते हैं। यह फफोले कुछ उभरे हुए, चमकीले सफेद, अनियमित गोलाकार होते हैं। अधिक पास-पास होने पर यह फफोले मिलकर बड़े धब्बों का रूपधारण कर लेते हैं। फफोले बड़े होने पर बाहरी त्वचा फट जाती है तथा अंदर से कवक के बीजाणुओं का समूह पाउडर के रूप में निकलता है। तरूण तनों तथा पुष्पक्रम पर इस रोग का सर्वांगी असर होता है। उत्तकों की अतिवृद्धि होने से पुष्प अंग फूल जाते हैं। इन सभी अतिवृद्धि अंगों में फफूंद के स्पोर भरे रहते हैं। फलियों के स्थान पर गुच्छे दिखते हैं।

आल्टरनेरिया पर्ण दाग और अंगमारी

यह रोग आल्टरनेरिया ब्रैसिकी और आल्टर ब्रैसिसिकोला कवक से होता है। सर्वप्रथम यह बीमारी बीज पत्रीय पर्णों पर छोटे-छोटे हल्के भूरे रंग के चकत्तों के रूप में दिखाई देते हैं जो कि बाद में काला रूप धारण कर लेते हैं। पत्तियों पर संक्रमण भूरे या गहरे भूरे रंग के दागों से आरंभ होता है और बढ़कर शीघ्र ही यह तनों और फलियों में फैल जाता है। आर्द्र मौसम में दाग मिलकर पत्तियों को झुलसा देते हैं। जिससे पत्तियां झड़ने लगती हैं। फलियों पर दाग आगे बीज का संक्रमण करते हैं। बीमारी वाले बीज छोटे आकार के व सिकड़े हुए स्लेटी या भद्दा रंग धारण कर लेते हैं। जिन वर्षो में पौधे या तो पहले नष्ट हो जाते है या फलियां बनने या पकने के पहले पूर्ण रूप से खत्म हो जाती है।

छछिया रोग (पाउडरी मिल्ड्यू):

यह रोग ऐरीसाइफी क्रुसीफेरेरम कवक द्वारा होता है। संक्रमित पौधों में प्रायः जमीन के सम्पूर्ण हिस्सों पर यह रोग देखा जा सकता है। प्रारंभ में यह रोग पौधों के तनों पत्तियों एवं फलियों पर श्वेत, गोल चूर्णित धब्बों के रूप में दिखाई पड़ता है। तापमान की वृद्धि के साथ-साथ में धब्बे आकार में बड़े हो जाते हैं और समस्त पौधों को ढ़क लेते है। ऐसे पौधों की बढ़वार बहुत कम होती है और फलियां भी कम लगती हैं। रोगग्रस्त फलियां आकार में छोटी हो जाती हैं और उनमें सिकुड़े हुए कुछ ही बीज बन पाते हैं।

तना गलन

यह रोग स्क्लेरोटिनिया स्क्लेरोटियोरम कवक से होता है। रोग के लक्षण के आधार पर इसे श्वेत-अंगमारी, तना विगलन, शाखा विगलन, शिखर विगलन तथा कैंकर कई नामों से जाना जाता है। तने के निचले भाग में मटमैले या भूरे रंग के फफोले दिखाई देते हैं। प्रायः यह फफोले रूई जैसे सफेद जाल से ढ़के रहते हैं। पत्तों पर इसके लक्षण कम दिखाई देते हैं। इसी कारण जब तक कि पूरा का पूरा पौधा अंदर से गल न जाए, रोगग्रस्त पौधे आसानी से पहचान में नहीं आता। ये फफोले तने व पत्तों को इस तरह ढ़क लेते हैं कि पौधा मुरझाकर लटक जाता है अंत में सूख जाता है। इस रोग के प्रभाव से पौधा बोना हो जाता है और समय से पहले ही पक जाता है। रोग के बीजाणु काले उड़द के दानों की तरह तने के भीतरी भाग में पनपते हैं जिससे कि बाहर से देखने पर उसका आभास ही नहीं हो पाता। कई बार ये बीजाणु तने की ऊपरी सतह पर भी दिखाई देते हैं।

औरोबंकी या आग्या

सरसों, तोरिया, राया फसलों पर औरोबंकी इलिप्टिका परजीवी का प्रकोप होता है। औरोबंकी से ग्रस्त पौधे सरसों के छोटे रह जाते है और कभी-कभी मर भी जाते हैं। औरोबंकी के चूषकांग (हॉस्टोरिया) सरसों की जड़ो में घुसकर पोषक तत्व प्राप्त करते हैं। सावधानी से उखाड़ कर देखें तो पता चलता है कि औरोबंकी की जड़े सरसों की जड़ों के अंदर घुसी हुई दिखती है। सरसों के पौधे के नीचे मिट्टी से निकलते हुए औरोबंकी परजीवी दिखाई पड़ते है।

सरसों में समन्वित रोग प्रबंध

- सरसों में सफेदरोरी, झुलसा तथा डाऊनी मिल्ड्यू रोग लगता है। उन क्षेत्रों में एपरॉन 35 एसडी का बीजोपचार करें।
- जिन क्षेत्रों में तना गलन का प्रकोप होता है वहां कार्बेण्डाजिम 2 ग्राम प्रति किलो से बीजोपचार करें या थायोफिनेट मिथाईल 2 ग्राम प्रति किलो से बीजोपचार करें।
- फसल की सिंचाई आवश्यकतानुसार करें तथा खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था करें।
- बुवाई समय पर यानि अक्टूबर माह के अंत तक पूरी कर देनी चाहिये देरी से बुवाई में अधिक रोग लगते है।
- पौधों में फूल आने पर 0.1 प्रतिशत पर से कार्बेन्डाजिम अथवा थायोफिनेट मिथाइल को 20 दिन के अंतराल में दो बार (बुवाई के 50 एवं 70 दिन बाद) पत्तियों पर छिड़काव करने से सरसों में तना गलन को नियंत्रित किया जा सकता है।
- सरसों में सफेदरोरी, झुलसा एवं डाऊनी मिल्ड्यू का प्रकोप जहां होता है वहां इन रोगों के लक्षण दिखाई देते ही रिडोमिल एम जेड या मेन्कोजेब 0.2 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें आवश्यकतानुसार पुनः 15 दिन बाद दोहरावें।
- जिन क्षेत्रों में छाछिया रोग का प्रकोप होता है वहां रोग नियंत्रण के लिए केराथेन 0.1 प्रतिशत या घुलनशील गंधक 0.2 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें या गंधक चूर्ण 25 किलो प्रति हेक्टेयर का भुरकाव करें।
- जहां औरोबंकी का प्रकोप अधिक होता है वहां औरोबंकी परजीवी को हाथ से उखाड़कर या सावधानी से कसी से निराई-गुड़ाई द्वारा जमीन के ऊपर के तने को काटकर बीज बनने से पहले ही नष्ट कर देना चाहिये।
- औरोबंकी के पौधों पर दो बूंद सोयाबीन के तेल का डाल देने से भी पौधा मर जाता है। यदि रसायनों का प्रयोग करना है तो सावधानी से औरोबंकी पर ग्लाइफोसेट 0.4 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें ध्यान रहे सरसों पर न गिरे।
- जहां सफेदरोरी का प्रकोप अधिक होता है वहां बेसिका अल्बा, ब्रेसीका केरीनेटा, ब्रेसीका नेपस का जातियां सफेदरोरी व अन्य रोगों से रोधी है उपयोग में लावें।
- तना गलन का प्रकोप होता है वहां धान व मक्का का फसल चक्र अपनावें, औरोबंकी ग्रसित क्षेत्रों में अरंडी का फसल चक्र अपनावें। उड़द एवं सरसों की क्रमवार बुवाई से भी तना गलन कम होता है।
- नए क्षेत्रों में औरोबंकी या अन्य रोगी खेत से बीज का प्रवेश नहीं होने देना चाहिये तथा परजीवी के बीज रहित सरसों के शुद्ध बीज का उपयोग करना चाहिये।

अरहर फसल को कीटों के प्रति अधिक सावधानियां रखनी होती है क्योंकि इस फसल में भी अन्य फसलों की तरह अंकुरण से लेकर पकने तक की अवस्था में विभिन्न प्रकार के कीटों का आक्रमण होता है परंतु फूल एवं फली वाली अवस्था में प्रकोप होने पर उत्पादन में कमी आ जाती है। इन अवस्थाओं में आर्थिक रूप से हानि पहुंचाने वाले प्रमुख कीटों को मुख्य रूप से दो भागों में विभाजित किया जा सकता है-

भेदक कीट

हरी रोंयेदार इल्ली या पिच्छकी शलभ (प्लूम मॉथ), चने की इली (हेलिकोवर्पा आर्मीजेरा), फली मक्खी (पॉड फ्लाई), चित्तीदार फली भेदक (स्पाटेड पॉड बोरर) आदि।

रसचूसक कीट

भूरा फली बग (क्लेवीग्रेला गिब्बोसा) आदि।

समन्वित कीट प्रबंधन की विभिन्न विधियों का विवरण इस प्रकार है-

- फसल अवशेषों को नष्ट तथा ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करना चाहिये।
- अरहर की जल्दी पकने वाली जातियों का चुनाव करें जैसे- प्रगति, जाग्रति, उपास 120, प्रभात आदि।
- जिन क्षेत्रों में चित्तीदार फली भेदक का प्रकोप अधिक होता है वहां पर मध्यम अवधि की किस्मों की खेती करें जैसे आशा, नं. 148 आदि। इन जातियों में कीट प्रकोप कम होता है।
- प्रारंभिक अवस्था में हरी रोयेंदार इल्ली (पिच्छकी शलभ) की हरे या भूरे रंग की इल्लियों तथा शंखियों को इकट्ठा कर नष्ट कर दें।
- चने का फली भेदक प्रकोपित क्षेत्रों में फेरोमेन प्रपंच का उपयोग करें तथा हर दिन सुबह इनमें इकट्ठी पंखियों को नष्ट कर दें। एक हेक्टेयर में 5 फेरोमेन प्रपंच लगाना चाहिए। इन प्रपंचों में प्रयुक्त सेप्टा को 15 दिन बाद बदल दें।

अरहर में एकीकृत कीटनाशी प्रबंधन

- प्रकाश प्रपंच का उपयोग करें तथा सुबह इनमें इकट्ठा प्रौढों को नष्ट कर दें।
- खेत के अन्दर 4 से 5 मीटर की दूरी पर टी आकार की बांस की खूंटियों को, जिसकी लगभग ऊंचाई फसल से 30 से.मी. अधिक हो, लगा दें।
- अरहर की फसल में हानिकारक कीटों के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के परभक्षी मित्र जीव (मकड़ी, बड़ा पतंगा, मेन्टिड, काक्सीनेला, रिजूविड बग, क्रायसोपा आदि) परजीवी मित्र कीट (एपेन्टेलिस, ब्रेकान, ग्रायन, डायडिगमा, केम्पोलेटिस आदि) तथा रोगाणु पाये जाते हैं। अतः कीटनाशकों का प्रयोग बहुत सोच समझकर करें ताकि मित्र जीवों का संरक्षण एवं संवर्धन फसल के अंदर होता रहे।
- हानिकारक कीटों के सर्वेक्षण के अंतर्गत फसल पर फूलने एवं फली भरने की अवस्था पर हानिकारक कीट एवं उनके प्राकृतिक शत्रु (मित्र कीट) की संख्या के आकलन हेतु सामान्य नजरिया आकलन सप्ताह में दो बार करना चाहिये।
- अरहर में फूल आने की अवस्था में जब कीड़े आर्थिक हानि स्तर पर पहुंचने लगे या हानिकारक कीटों एवं लाभदायक जीवों का अनुपात 1: 05 होने पर सतर्क हो जायें तथा कम अनुपात होने पर कीटनाशकों का उपयोग करें। पहला छिड़काव 10 दिनों के अंतराल पर एन. पी. वी.(न्यूक्लियर पालीहाइड्रोसिस वायरस) का 250-500 एल.ई. या नीम तेल का 2.5 लीटर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करें। यह नव विकसित इल्लियों के नियंत्रण के लिये काफी कारगर होता है।
- कीटों के अधिक प्रकोप होने की स्थिति में रसायनिक नियंत्रण के लिए प्रथम छिड़काव मेलाथियान 50 ई.सी. 35 ई.सी. एक लीटर प्रति हेक्टेयर के हिसाब से एवं उसके 15 दिन बाद दूसरा छिड़काव इसके बाद भी आवश्यकता पड़ने पर फिर से 15 दिन बाद तीसरा छिड़काव क्लोरोपायरीफॉस 20 ई.सी. एक लीटर प्रति हेक्टेयर के हिसाब से करें। हमेशा अदल-बदल कर कीटनाशकों का उपयोग करें।

उक्त समन्वित विधियों को अपनाकर किसान भाई अरहर के हानिकारक कीटों

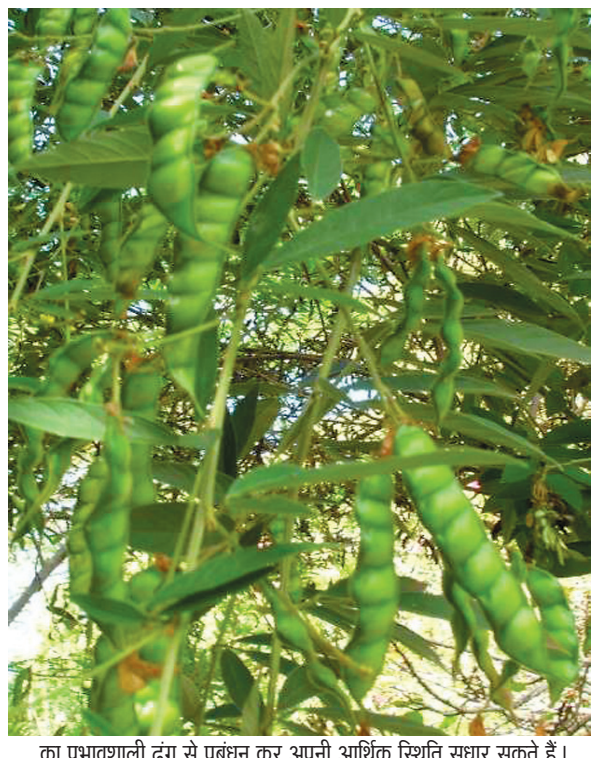

का प्रभावशाली ढंग से प्रबंधन कर अपनी आर्थिक स्थिति सुधार सकते हैं। साथ ही कीटनाशकों से होने वाली प्रदूषण की समस्याओं को भी कम कर सकते हैं।

सावधानी से करें यूरिया का उपयोग

यूरिया का वर्गीकरण

यूरिया बहुउपयोगी उत्पाद है जिसको निम्न लिखित तीन वर्गों में विभाजित किया गया है.

कृषि ग्रेड यूरिया

कृषि फसलों एवं उद्यानिकी फलों, मसाला, सब्जियों आदि हेतु.

पशु आहार ग्रेड यूरिया

विभिन्न श्रेणी के पशुओं के दूध बढ़ाने फैट की मात्रा बढ़ाने तथा प्रोटीन के प्रमुख स्रोत हैं.

टेक्निकल ग्रेड यूरिया

औद्योगिक उत्पाद के लिए पेड़-पौधों को यूरिया की उपलब्धता तथा प्रतिकूल परिस्थितियों में नत्रजन की क्षति - यूरिया का उपयोग मुख्य रूप से दो प्रकार से फसलों की आयु, वृद्धि की स्थिति, खेत की मिट्टी, जल स्तर, मिट्टी की अम्लता एवं क्षारीयता आदि स्थितियों के आधार पर किया जाता है। ठोस गोलियों के रूप में यूरिया को खेत की तैयारी के समय अन्य कार्बनिक खाद, स्फुर, पोटाश, सूक्ष्म तत्वों के साथ डाला जाता है। परंतु यह ध्यान रखें कि यूरिया कम से कम 3 इंच गहराई तक डाला जावे जिससे वह जमीन के अंदर अन्य जैविक स्रोतों, उपस्थित एंजाइम आदि के संयोजन से पौधों को उपलब्ध हो सके। समुचित नमी के अभाव में अथवा आक्सीजन की कमी आदि के कारण यूरिया के नत्रजन की गैस रूप में क्षति होती है। यदि भूमि अम्लीय एवं क्षारीय हो तो यूरिया न डाला जाए क्योंकि यूरिया उर्वरक की विशेषता है कि वह न तो अम्लीयता और न क्षारीयता के रासायनिक क्रिया में न्यूट्रल रहता है। यूरिया की खास विशेषता है कि वह पौधों को नाइट्रेट के रूप में नत्रजन देती है परंतु रासायनिक क्रियाओं में न्यूट्रल रहती है। जल में शीघ्रता से घुल जाती है तथा मिट्टी इसे अपने में सोख लेती है। खड़ी फसल में यूरिया कई बार पौधों की वृद्धि के अनुसार छिड़क कर दिया जाता है परंतु ऊपरी सतह पर सिंचाई करना जरूरी है।

यूरिया घोल के रूप में छिड़कना

यूरिया को ठोस उर्वरक के रूप में उपयोग करने के साथ विपरीत परिस्थितियों में घोल के रूप में देना विशेष लाभप्रद है। क्योंकि उर्वरक की मात्रा कम लगती तथा उसका प्रभाव पत्तियों पर शीघ्र पड़ता है। घोल के रूप में यूरिया छिड़कते समय वायुमंडलीय आर्द्रता, पौधों की आयु, वानस्पतिक वृद्धि, पत्तियों का अच्छा विकास, पत्तियों में संचयित शकर की मात्रा के आधार पर घोल की सांद्रता निर्धारित करें। यूरिया को घोल के रूप में देते समय कीटनाशक दवाओं, फफूंदनाशक दवाओं, खरपतवारनाशक दवाओं के साथ मिलाकर छिड़कने से विशेष लाभ होता है परंतु ऐसे मिश्रण बनाते समय रसायनों का फैलाना आदि किसी कृषि जानकर वैज्ञानिक की सलाह से करना उचित होगा।

यूरिया घोल का छिड़काव किस प्रकार के स्प्रेयर से करें तथा घोल की सांद्रता कितनी रखी जावे

सामान्यतः ग्रामीण क्षेत्रों में नेपसेक स्प्रेयर (हॉइवाल्यूम) आसानी से उपलब्ध होते हैं। उसमें फाइन नोजल रखा जावे तथा 6% घोल 600-800 लीटर पानी में घोलकर छिड़कें। मुलायम, नवीन पत्तियों वाले पौधों पर पतला घोल तथा वयस्क एवं हाई पौधों की सांद्रता वैज्ञानिकों के द्वारा की गयी अनुशंसा के आधार पर करें।

निम्न परिस्थितियों में यूरिया घोल को छिड़काव करना चाहिए -

- जब खेत में आधार या टाप ड्रेसिंग तरीके से उर्वरक देना संभव न हो।
- खेत की तैयारी हेतु समय कम हो।
- क्षारीय एवं अम्लीय मिट्टियां तथा मरुभूमि में।
- फसल प्रतिस्पर्धा तथा भूमि स्थिति ठीक न हो।
- जब पौधे की गुणवत्ता तथा मरम्मत आदि निर्धारित हो।
- जब उर्वरक महंगा एवं अनुपलब्ध हो।
- असिंचित एवं बारानी भूमि।
- जब फसल कमजोर एवं क्षतिग्रस्त हो।

यूरिया का विकार बाइयुरेट

जब यूरिया की प्रिल (गोलियां अधिक (उच्च) तापमान एवं दाब पर बनाई जाती हैं तो समय अधिक लगने से यूरिया में एक अशुद्धि हो जाती है उसे 'बाइयुरेट' कहते हैं। जिन यूरिया में 1-2 प्रतिशत तक बाइयुरेट हो तो उसे आधार खाद या टाप ड्रेसिंग के लिए दिया जाये परंतु घोल के रूप में 0.300-0.4% के बाइयुरेट वाली यूरिया पशु आहार के रूप में उपयोग की जाती है। वह पशु आहार के लिए उपयुक्त है।

यूरिया घोल छिड़कते समय निम्न बातों पर ध्यान दें-

- यूरिया घोल की सांद्रता पौधों की आयु, वृद्धि के आधार पर निर्धारित करें।
- पत्तियों का अच्छा फोलरिज हो।
- हवा एवं वर्षा की स्थिति में छिड़काव न करें.
- दिन के गर्म अवधि में छिड़काव न करें.
- स्प्रेयर का नोजल महीन बूंदें दें।
- यूरिया घोल में कीटनाशक, फफूंदनाशक, खरपतवारनाशक दवाओं का उचित मिश्रण बनाकर ही छिड़काव करें।

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर क्या नीतीश कुमार डरे?

अपने काम गिनाने के साथ बार-बार याद दिला रहे लालू का जंगल राज

पटना (एजेंसी)। इस साल बिहार में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए चुनावी बिसात बिछ चुकी है। सत्तारूढ़ गठबंधन को एक बार फिर अपने किए गए के कामों पर ही ज्यादा भरोसा है। लालू यादव के राज को जिस तरह जंगल राज का नाम दिया गया है उसे निशाने पर रखकर पिछले कई चुनाव एनडीए जीत चुका है। एक बार फिर उसी को भुनाने की तैयारी है। अब देखना है कि ये कहां तक सही साबित होती है। पीएम नरेंद्र मोदी ने इसी हफ्ते भागलपुर में एक सभा में राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के शासनकाल को 'जंगल राज' बताते हुए हमला किया था। नीतीश कुमार तो हर मंच पर जंगल राज को याद कराते रहते हैं। पीएम मोदी के साथ सभा में उपस्थित नीतीश कुमार ने कहा था कि मुझे उम्मीद है कि आपको याद होगा कि जब हम बिहार 2005 में सत्ता में आए थे, तब क्या स्थिति थी। सूर्यास्त के बाद कोई भी घर से बाहर नहीं निकलता था। जाहिर है कि एनडीए एक बार फिर जंगल राज को फिर से मुद्दा बनाकर जनता के डर को भुनाना चाहती है लेकिन क्या 20 साल बाद भी आम लोग लालू के कार्यकाल की गलतियों को आधार बनाकर वोटिंग करेंगे?

क्या एनडीए सरकार के पास अपनी उपलब्धियां कम हैं जो उसे एक बार फिर नकारात्मक कैंपेन जो 20 साल पहले की बात है उस पर भरोसा करना पड़ रहा है? आखिर 20 सालों से प्रदेश के सीएम नीतीश कुमार सत्ता में हैं। क्या इतना समय जनता के बीच बताने के लिए काफी नहीं होता है? फिर अब तो बीजेपी भी साथ में हैं। केंद्र सरकार के साथ मिलकर बिहार में डबल इंजन की सरकार चल रही है। राज्य सरकार में दो-डिप्टी सीएम बीजेपी के ही हैं, फिर आखिरकार लालू राज का नाम क्यों लिया जा रहा है? आखिर बीजेपी ने ये देख लिया है कि अब नेगेटिव कैंपेन का असर जनता पर नहीं हो रहा है।

दिल्ली विधानसभा का चुनाव जीतने के पीछे सबसे बड़ा कारण यही रहा है। बीजेपी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार में ध्रुवीकरण की राजनीति के बजाय एक सूत्रीय विकास की बातें की थी, जिसका असर हुआ और लोगों ने बीजेपी को आम आदमी पार्टी के मुकाबले तरजीह दी और बीजेपी को जीत हासिल हुई। ऐसा भी नहीं है कि नीतीश के नाम उपलब्धियां नहीं हैं। नीतीश सरकार के नेतृत्व में कानून व्यवस्था आज भी पहले की तुलना में बेहतर है। यही कारण है कि कभी बिहार से बड़े डॉक्टर्स ने पलायन कर दिया था। आज मेदान्ता और पारस जैसे बड़े हॉस्पिटल ग्रुप बिहार पहुंच रहे हैं। बिहार में विदेशी सैलानियों की बढ़ती संख्या बताती है कि बिहार में कानून व्यवस्था में सुधार हुआ है। 2023 की तुलना में 2024 में करीब 2 लाख विदेशी पर्यटक बिहार पहुंचे। बिहार में विदेश निवेश में भी

लगातार बढ रहा है। पावर सप्लाई भी पिछले कुछ सालों में बहुत बेहतर हुई है।

सात महीनों के अंतराल में आए दो केंद्रीय बजटों में बिहार के लिए बुनियादी ढांचे में निवेश की झड़ी लगा दी है, जिसमें राजमार्ग, हवाई अड्डे, बाढ़ नियंत्रण और पर्यटन विकास जैसी योजनाएं शामिल हैं। हालांकि विपक्ष बार-बार नीतीश सरकार पर विशेष राज्य की मांग पूरी न करा पाने के लिए दबाव डालता रहता है।

जेपी नड्डा ओडिशा दौरे पर, एनएचएम कार्यक्रम में करेंगे शिरकत

भुवनेश्वर। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा अपने दो दिवसीय दौरे पर ओडिशा पहुंचे हैं। इस दौरान वह पुरी में आयोजित राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के एक विशेष कार्यक्रम में आज शामिल होंगे। जेपी नड्डा जब भुवनेश्वर के बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे, तो मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, भाजपा की ओडिशा इकाई के अध्यक्ष मनमोहन सामल और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

पुरी में होगा राष्ट्रीय स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन

भाजपा प्रदेश इकाई के उपाध्यक्ष बिरंची नारायण त्रिपाठी ने बताया कि नड्डा पहले कोणार्क रवाना हुए, जहां उन्होंने रात्रि विश्राम किया। कार्यक्रम के अनुसार, वह शुक्रवार को पुरी में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा आयोजित नौवें राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। इस दौरान वह 16वें 'कॉमन रिव्यू मिशन' की रिपोर्ट का भी अनावरण करेंगे। इस सम्मेलन का उद्देश्य भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को और बेहतर बनाना है।

पत्थरबाजी के झूठे आरोप में फंसी फरहाना, 87 दिन बाद जेल से रिहा

संभल। 26 नवंबर को संभल हिंसा के दौरान पत्थरबाजी के आरोप में गिरफ्तार की गई 48 वर्षीय फरहाना को 87 दिनों बाद जेल से रिहा कर दिया गया। जांच में पाया गया कि फरहाना का वजन 120 किलोग्राम है, जिससे वह छत पर चढ़कर पत्थर फेंकने में सक्षम नहीं थी। पुलिस ने फरहाना पर दंगा, हत्या के प्रयास, सार्वजनिक सेवक पर हमले जैसी कई गंभीर धाराएं लगाई थीं। लेकिन स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की जांच में सामने आया कि सोशल मीडिया पर दिखी महिला की बनावट फरहाना से मेल नहीं खाती थी। जांच के दौरान यह भी पता चला कि फरहाना की पड़ोसी जिकरा से पुरानी दुश्मनी थी, जिसने उसे झूठे आरोप में फंसाया। जिकरा ने अपनी बहन को बचाने के लिए फरहाना का नाम लिया था। फरहाना की रिहाई के बाद उसके परिवार ने राहत की सांस ली, लेकिन जेल में बिताए गए समय की यादें उसे अब भी परेशान कर रही हैं। इस मामले में एसआईटी ने निष्पक्ष जांच का दावा किया है और झूठे बयान देने वाली जिकरा के खिलाफ भी कार्रवाई की तैयारी कर रही है। यहां बताते चलें कि संभल हिंसा में कुल 26 गिरफ्तारियां हुई थीं, जिनमें से 25 पर आरोप तय हुए, लेकिन फरहाना के खिलाफ कोई सबूत न मिलने पर उसे रिहा कर दिया गया।

माता वैष्णो देवी के भक्तों के लिए खुशखबरी : वंदे भारत चलेगी 7 मार्च से

जम्मू। दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन, जो जम्मू रेलवे स्टेशन के विस्तारीकरण कार्यों के चलते अस्थायी रूप से बंद थी, अब 7 मार्च से फिर से शुरू होने जा रही है। यह सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन जम्मू रेलवे स्टेशन पर नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण कुछ दिनों के लिए बंद कर दी गई थी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, 6 मार्च तक यह कार्य पूरा कर लिया जाएगा, जिसके बाद 7 मार्च से वंदे भारत एक्सप्रेस फिर से अपनी सेवाएं बहाल करेगी।

रेलवे ने दी यात्रियों को सलाह- रेलवे प्रवक्ता ने कहा कि यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना बनाते समय इस सूचना का ध्यान रखना चाहिए। यदि किसी यात्री को अधिक जानकारी चाहिए या अन्य ट्रेनों के शेड्यूल के बारे में जानना हो, तो वे रेलवे स्टेशन या रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट पर संपर्क कर सकते हैं।

अब यात्रा होगी आसान- वंदे भारत एक्सप्रेस के फिर से शुरू होने से माता वैष्णो देवी जाने वाले श्रद्धालुओं और यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। इससे दिल्ली और कटरा के बीच यात्रा पहले की तरह तेज और सुविधाजनक हो जाएगी।

संभल में शाही जामा मस्जिद में नहीं होगी रंगाई-पुताई

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल में विवादित धर्मस्थल शाही जामा मस्जिद की रंगाई-पुताई नहीं होगी। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने शुक्रवार को बड़ा फैसला दिया है। एएसआई की टीम को केवल सर्वेक्षण और सफाई करने की अनुमति दी गई है। कोर्ट के निर्देश पर 3 सदस्यीय टीम मस्जिद के सर्वे के लिए पहुंची थी, सर्वे टीम ने यहां अपनी रिपोर्ट पेश की है। इस रिपोर्ट के आधार पर हाई कोर्ट ने रंगाई-पुताई नहीं करने का फैसला दिया है। दरअसल, संभल मस्जिद समिति की ओर से इलाहाबाद हाई कोर्ट में एक सिविल रिवीजन याचिका दाखिल हुई थी। इसमें मस्जिद में रंगाई-पुताई कराने की अनुमति मांगी गई थी। इस पर अदालत ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया था। मस्जिद कमेटी से साफ तौर पर कहा कि वे इस समय केवल सफाई कार्य करवा सकते हैं। एएसआई ने कोर्ट को अपनी जॉइंट इंस्ट्रक्शन रिपोर्ट सौंप कर बताया कि मस्जिद की वर्तमान स्थिति में किसी भी तरह की रंगाई-पुताई की जरूरत नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार मस्जिद में कोई ऐसी संरचनात्मक समस्या नहीं है, जिसके लिए मरम्मत या फिर रंगाई करने की आवश्यकता हो।

दिल्ली पुलिस ने निजामुद्दीन इलाके से एक संदिग्ध आतंकवादी परवेज को उठाया

नई दिल्ली। कश्मीर और दिल्ली पुलिस ने निजामुद्दीन इलाके में स्थित फजार रेजीडेंसी और गेस्ट हाउस से एक संदिग्ध आतंकवादी परवेज अहमद खान को गिरफ्तार किया। फजर रेजीडेंसी के मैंनेजर मोहम्मद शमी ने बताया कि एक रात पहले कश्मीर और दिल्ली पुलिस आई थी। हमारे एक कमरे में दो मेहमान ठहरे थे, एक का नाम परवेज और दूसरे का नाम फारुक था। पुलिस ने परवेज को होटल के बाहर से उठाया। फजर रेजीडेंसी के मैनेजर ने दावा किया कि ये दोनों कश्मीर से हैं। परवेज ने बताया था कि वह घूमने के लिए दिल्ली आये थे। 12 फरवरी की रात करीब 11 बजे परवेज आया। उसका दोस्त फारुक अभी भी हमारे कमरे में रहता है। हमें नहीं पता कि वह 12वीं से 26वीं तारीख तक कहां गए। हमें नहीं पता कि वह कहां जाता था और क्या करता था। हमारे गेस्ट हाउस में भी कोई उनसे मिलने नहीं आया। अगर कोई आता है तब उसके लिए हमारे पास विजिटर एंट्री होती है। परवेज़ के एक कारोबारी दोस्त मोहम्मद फारुक ने कहा कि मैं परवेज को 5-6 साल से जानता हूँ, मेरा उससे आर्थिक लेन-देन है। हमारा शॉल का कारोबार है। उन्होंने बताया कि जब पुलिस आई तब मुझे और परवेज़ को थाने ले गई, हम दोनों से पूछताछ की गई, पूछताछ के बाद कश्मीर पुलिस परवेज को ले गई और मुझे छोड़ दिया। मुझे कभी नहीं लगा कि वह किसी आतंकवादी गतिविधि में शामिल था।

गडचिरौली में 18 लाख के इनामी दो नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

गडचिरौली। महाराष्ट्र के नक्सल प्रभावित गडचिरौली जिले में 18 लाख रुपये के इनामी दो नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी दी। आत्मसमर्पण करने वालों में भामरागढ़ स्थानीय संगठन दस्ते (एलओएस) की डिवीजनल कमेटी सदस्य (डीवीसीएम) कांता उर्फ कंटक्का उर्फ मंडी गालू पल्लो (56) और सुरेश उर्फ वारलू इरपा मज्जी (30) शामिल हैं।

एनएसए डोभाल को लेकर खालिस्तानी आंतकी पन्नू के वकीलों के दावे निकले फर्जी

नई दिल्ली (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकियों में हताशा कितने ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है, इसका एक और नमूना हाल में सामने आया है। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू के वकीलों ने फर्जी दावा किया कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल को अमेरिका दौरे के दौरान समन दिया था। लेकिन सच यह हैं कि आंतकी पन्नू और वकीलों को पता नहीं कि प्रधानमंत्री के साथ एनएसए की यात्रा हो, तब उन्हें किसी भी तरह की कानूनी कार्रवाई से छूट मिले है।

मोदी सरकार के सूत्रों ने बताया कि एनएसए डोभाल को प्रधानमंत्री मोदी के साथ यात्रा करते समय समन से छूट मिली है। मतलब साफ है, डोभाल पर कोई समन नहीं थोपा जा सकता जब वे प्रधानमंत्री के साथ हों। सूत्रों ने कहा कि अमेरिका ने यात्रा से पहले ही उनकी इम्यूनिटी की पुष्टि की गई थी। वकीलों के दावे को खालिस्तानी आतंकियों की हताशा भरी हरकत बताया जा रहा है।

13 फरवरी को पीएम और अमेरिकी राष्ट्रपति के बीच हुई शिखर बैठक में दोनों पक्षों ने सिख आतंकी ढांचे के खिलाफ मिलकर काम करने का फैसला किया। यानी, दोनों देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हैं। इसके बाद पन्नू के वकीलों का दावा थोड़ा अजीब लगता है। पन्नू के वकीलों की ओर से दावा किया गया, भारत सरकार द्वारा न्यूयॉर्क में सिख कार्यकर्ता गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कोशिश के नवीनतम घटनाक्रम में, संघीय अदालत में दायर दस्तावेजों से पता चलता है कि पन्नू ने अपने मुकदमे की एक प्रति भारत की शीर्ष खुफिया एजेंसी के प्रमुख और डोभाल को उनकी हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री मोदी के साथ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मिलने के लिए अमेरिका की यात्रा के दौरान दी थी... यदि सेवा पूरी हो जाती है, तब डोभाल के पास सेवा से 21 दिनों के भीतर सिविल सूट में पन्नू की शिकायत का जवाब देने होगा। विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने कहा था, जैसा कि हमने पहले कहा है, ये पूरी तरह से अनुचित और निराधार आरोप हैं। अब जबकि यह विशेष मामला दर्ज किया गया है, इससे अंतर्निहित स्थिति के बारे में हमारे विचार नहीं बदलते... डोभाल ने रक्षा उद्योग और नागरिक उच्च तकनीक और दूरसंचार क्षेत्रों में सहयोग के लिए आईसीईटी ढांचे को एक साथ रखने में अपने पूर्व अमेरिकी समकक्ष जेक सुलिवन के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

15 मार्च तक बीजेपी को मिल जाएगा जेपी नडडा का उत्तराधिकारी

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली, हरियाणा और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने शानदार जीत हासिल की है। अब हर किसी के मन में बस एक ही सवाल है कि बीजेपी का अगला राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा? राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम को लेकर संशय बना हुआ है। लेकिन इस बीच एक बड़ी खबर आई है कि अध्यक्ष का नाम 15 मार्च से पहले घोषित हो सकता है।

सूत्रों के मुताबिक ऐलान अगले दो हफ्ते के अंदर हो सकता है। पार्टी के संगठनात्मक चुनाव 12 राज्यों में पूरे हो चुके हैं और बताया जा रहा है कि अध्यक्ष का नाम 15 मार्च से पहले घोषित किया जा सकता है। उसके बाद हिन्दू कैलेंडर के अनुसार अशुभ अवधि शुरू होती है।

बीजेपी अध्यक्ष के चुनाव के लिए करीब आधे राज्यों में संगठनात्मक चुनाव होना जरूरी है। इसके पहले, बूथ, मंडल और जिला स्तर पर चुनाव होते हैं। अभी 36 राज्यों में से सिर्फ 12 में ही चुनाव पूरे हुए हैं। इसलिए करीब 6 और राज्यों में चुनाव कराने की जरूरत है। बीजेपी उन राज्यों में इस प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ा रही है जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिसमें तमिलनाडु, बंगाल, असम और गुजरात शामिल है। बिहार में कोई बदलाव नहीं होगा, जहां इस साल के अंत तक चुनाव होने हैं।

बीजेपी अध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवार का चयन कई बातों को ध्यान में रखकर किया जाएगा। सबसे जरूरी है कि उम्मीदवार को सभी का समर्थन हासिल हो, इसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) भी शामिल है। साथ ही उम्मीदवार को संगठनात्मक मूल्यों से ओतप्रोत होना चाहिए। पार्टी जातिगत समीकरण, उत्तर-दक्षिण भाषा विवाद, परिसीमन और सबसे महत्वपूर्ण उत्तर प्रदेश में अपने जनाधार को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में पार्टी को झटका लगा था, जिससे उसे सदन में पूर्ण बहुमत नहीं मिल सका था। जेपी नड्डा ने 2019 में कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में पार्टी की जिम्मेदारी संभाली थी। जनवरी 2020 में, उन्हें सर्वसम्मति से बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया और उन्होंने वर्तमान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से पदभार ग्रहण किया। लोकसभा चुनाव को देखकर उनका कार्यकाल जून 2024 तक बढ़ा दिया गया था। मोदी सरकार में शामिल होने के साथ, पार्टी उनके उत्तराधिकारी के लिए संभावित उम्मीदवारों की तलाश कर रही है। लेकिन यह प्रक्रिया धीमी रही है, क्योंकि नेता इस मुद्दे पर आम सहमति बनाने की उम्मीद कर रहे हैं। कई नामों पर चर्चा हो रही है, लेकिन पार्टी किसी भी नाम की आधिकारिक पुष्टि नहीं कर रही है।

असम में कांग्रेस की बैठक, आगामी चुनाव में बीजेपी सरकार को उखाड़ फेंकने का लिया संकल्प

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस को अगले साल होने वाले असेंबली चुनावों को लेकर जिन दो राज्यों से उम्मीद हैं, उनमें असम और केरल प्रमुख है। इन राज्यों में सत्ता वापसी की बात हो रही है। असम चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस के नए मुख्यालय में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने प्रदेश नेताओं से गुरुवार को बैठक की, जिसमें कई पहलुओं पर चर्चा की गई। असम नेताओं के साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल मौजूद थे।

वहीं दूसरी ओर असम के प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र बोरा, लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई, सांसद रकीबुल हुसैन, सीएलपी लीडर देवब्रत सैकिया, प्रदेश के सीनियर लीडर प्रदीप बारदोलोई समेत कई लोग शामिल थे।

बैठक के बाद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा- आज कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के नेतृत्व में असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नेताओं के साथ बैठक में शामिल हुआ। असम ने भ्रष्टाचार और नफरत की राजनीति को हटाने और कांग्रेस के साथ मोहब्बत और प्रगति की राजनीति को गले लगाने का मन बना लिया है।

वही बैठक खत्म होने के बाद प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र कुमार बोरा ने कहा कि असम से जुड़े अहम मुद्दों और रणनीति को लेकर शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की, जहां असम के सीनियर नेता और तमाम पदाधिकारी मौजूद थे। सभी ने एकसुर से संकल्प लिया कि हम एकजुट होकर आने वाले चुनाव में असम से बीजेपी सरकार को उखाड़ फेंकेंगे। बोरा ने सीएम हिमंता बिस्वा सरमा पर निशाना साधते हुए कहा कि सरमा देश के सबसे भ्रष्ट सीएम हैं और हमने उनके भ्रष्टाचार से जुड़े तमाम सबूत अपने शीर्ष नेतृत्व के सामने रख दिए हैं।

हिमाचल, उत्तराखंड और कश्मीर में भारी बर्फबारी, जनजीवन प्रभावित

- सड़कों पर बर्फ जमा होने के कारण वाहनों की आवाजाही बाधित

- कई ग्रामीण इलाकों का संपर्क कटा

- गंगोत्री में 4 फीट तक बर्फ, स्कूलों में छुट्टी

नई दिल्ली/ शिमला/ देहरादून/ श्रीनगर (एजेंसी)। उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों में भारी बर्फबारी और बारिश से जनजीवन प्रभावित हो गया है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और कश्मीर के कई इलाकों में बीते तीन दिनों से लगातार बर्फबारी हो रही है, जिससे कई सड़कें बंद हो गई हैं और स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया गया है।

हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति, चंबा (भरमौर-पांगी) और किन्नौर जिले में भारी बर्फबारी के कारण यातायात पूरी तरह बाधित हो गया है। सड़कों पर बर्फ जमा होने के कारण वाहनों की आवाजाही संभव नहीं है, जिससे कई ग्रामीण इलाकों का संपर्क कट गया है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक ठंड बढ़ने और बर्फबारी जारी रहने की संभावना जताई है। प्रशासन ने जरूरी सेवाओं के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं और लोगों को घर से बाहर न निकलने की सलाह दी है।

उत्तराखंड में भी मौसम का कहर जारी है। खासतौर पर गंगोत्री और यमुनोत्री क्षेत्र में 4 फीट तक बर्फबारी दर्ज की गई है। राज्य के कई हिस्सों में तापमान माइनस डिग्री तक पहुंच गया है, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। पहाड़ों में रहने वाले लोगों को खाद्य सामग्री और ईंधन की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया है।

जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग, सोनमर्ग और पहलगाम में भी भारी बर्फबारी हो रही है। कई स्थानों पर राष्ट्रीय राजमार्ग-44 बंद हो गया है, जिससे जम्मू से श्रीनगर का संपर्क टूट गया है। श्रीनगर और आसपास के इलाकों में ट्रैफिक जाम और बिजली कटौती जैसी समस्याएं सामने आई हैं।

हालांकि, बर्फबारी के चलते पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की संख्या बढ़ने लगी है। शिमला, मनाली, मसूरी और गुलमर्ग में पर्यटकों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। प्रशासन ने पर्यटकों से सतर्क रहने और मौसम के पूर्वानुमान के आधार पर यात्रा करने की अपील की है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 48 घंटों तक हिमाचल, उत्तराखंड और कश्मीर के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी जारी रह सकती है। साथ ही मैदानी इलाकों में बारिश और ओलावृष्टि की संभावना भी जताई गई है। प्रशासन ने सभी जरूरी सेवाओं को अलर्ट मोड पर रखा है और बचाव दल तैनात किए गए हैं। जनता से अपील है कि मौसम को देखते हुए अनावश्यक यात्रा से बचें और प्रशासन की सलाह का पालन करें।

मैं हिंदू हूं, इसलिए शिवरात्रि कार्यक्रम में गया: डीके शिवकुमार

- अमित शाह की मौजूदगी से शुरू हुआ था विवाद

- कर्नाटक कांग्रेस में गहराये मतभेद

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और डिप्टी मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और पार्टी के अन्य नेताओं के बीच मतभेद खुलकर सामने आ रहे हैं। हाल ही में शिवकुमार के ईशा फाउंडेशन के महाशिवरात्रि कार्यक्रम में जाने को लेकर कांग्रेस में अंदरूनी बहस छिड़ गई है।

गौरतलब है की 26 फरवरी को कोयंबटूर में ईशा फाउंडेशन की ओर से महाशिवरात्रि समारोह का आयोजन किया गया था, जिसमें गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल हुए थे। शिवकुमार की इस कार्यक्रम में उपस्थिति पर ढ्ष्ट्ष्ट के सचिव पीवी मोहन ने सवाल उठाए। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, शिवकुमार उस व्यक्ति के निमंत्रण पर गए, जो कांग्रेस नेता राहुल गांधी का मजाक उड़ाता है। उनका इशारा ईशा फाउंडेशन के संस्थापक सदुरु जग्गी वासुदेव की ओर था।

इस आलोचना का जवाब देते हुए डीके शिवकुमार ने कहा, मैं एक हिंदू हूं। मैं हिंदू के रूप में पैदा हुआ और हिंदू के रूप में मरूंगा, लेकिन मैं सभी धर्मों से प्यार करता हूं और उनका सम्मान करता हूं। उन्होंने आगे कहा कि वे महाशिवरात्रि पर भगवान शिव की पूजा करने के लिए इस कार्यक्रम में गए थे, राजनीति करने के लिए नहीं। इस मुद्दे ने कांग्रेस पार्टी के अंदर मौजूद विभाजन को उजागर कर दिया है। कुछ नेता शिवकुमार के इस कदम को निजी आस्था का मामला बता रहे हैं, जबकि कुछ इसे पार्टी लाइन के खिलाफ मान रहे हैं। कांग्रेस की राज्य इकाई पहले भी हिंदुत्व से जुड़े मुद्दों पर दो गुटों में बंटी रही है।

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार बनने के बाद से मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के बीच नेतृत्व को लेकर खींचतान की खबरें आती रही हैं। शिवकुमार के इस बयान के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि वे राज्य में हिंदू वोट बैंक को मजबूत करने की रणनीति बना रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह विवाद जल्द थमने वाला नहीं है। कांग्रेस के अंदरूनी मतभेद राज्य में सत्ता संतुलन को प्रभावित कर सकते हैं। आने वाले दिनों में पार्टी आलाकमान इस मुद्दे पर डीके शिवकुमार और अन्य नेताओं को तलब कर सकता है।

भाजपा ने साधा निशाना

शिवकुमार के बयान के बाद भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी हिंदू आस्था का अपमान करती है और उनके ही नेताओं को कटघरे में खड़ा करती है। भाजपा नेताओं ने दावा किया कि कांग्रेस के अंदर हिंदू विरोधी मानसिकता हावी है।

कई कठिनाईयों से जूझने के बाद भारतीय स्किल वर्कर्स को मिलता है अमेरिकी वीजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में नौकरी करने की इच्छा रखने वाले भारतीयों के लिए अंग्रेजी दक्षता परीक्षा एक बड़ी चुनौती बन रही है। हाल ही में एक नए सर्वे में बताया गया कि कई भारतीय टेस्ट देने वालों को डर लगता है कि उनके स्कोर उनकी स्किल के बजाय एक्सेंट (भाषा बोलने का तरीका), रंग और यहां तक कि कपड़े पहनने के तरीकों जैसे फैक्टर्स से प्रभावित हो सकते हैं।

भारतीय स्किल प्रोफेशनल्स के लिए अमेरिका हमेशा से पसंदीदा देश रहा है। 2023 में एच-1बी वीजा के अकेले 72 प्रतिशत भारतीयों को दिए गए। एच-1बी वीजा मिलन से करियर में ग्रोथ का गोल्डन टिकट तो मिल जाता है, लेकिन इस वीजा को पाना आसान नहीं होता है। भारतीय स्किल वर्कर्स को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इन्हीं में से एक अंग्रेजी दक्षता परीक्षा है। वैसे यूएससीआईएस की तरफ से एच-1बी वीजा देने के लिए कोई टेस्ट स्कोर नहीं मांगा जाता है।अमेरिका में नौकरी करने की इच्छा रखने वाले भारतीयों के लिए अंग्रेजी दक्षता परीक्षा एक बड़ी चुनौती बन रही है। हाल ही में एक नए सर्वे में बताया गया कि कई भारतीय टेस्ट देने वालों को डर लगता है कि उनके स्कोर उनकी स्किल के बजाय एक्सेंट (भाषा बोलने का तरीका), रंग और यहां तक कि कपड़े पहनने के तरीकों जैसे फैक्टर्स से प्रभावित हो सकते हैं। सर्वे में 1000 भारतीय टेस्ट देने वाले लोगों ने हिस्सा लिया और उन्होंने अपनी चिंताएं बताईं।

दरअसल, भले ही यूएससीआईएस एच-1बी वीजा देने के लिए कोई टेस्ट स्कोर नहीं मांगे, लेकिन कई अमेरिकी कंपनियां अच्छी अंग्रेजी बोलने और समझने वाले लोगों को ही नौकरी देती हैं। खासकर साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, मैथ्स, हेल्थकेयर और कानून जैसे क्षेत्रों में तो यह और भी जरूरी है। सर्वे में बताया गया है कि 62 प्रतिशत से ज्यादा लोगों को लगता है कि अगर कोई इंसान उनकी परीक्षा ले रहा है, तो उनका एक्सेंट उनके खिलाफ जा सकता है। ये उनकी चिंताओं को उजागर कर रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी कोर्ट से ट्रंप को सुप्रीम राहत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक न्यायाधीश के उस आदेश पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी, जिसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन को अन्य देशों के लिए अरबों डॉलर की अमेरिकी सहायता जारी करने के संबंध में मध्य रात्रि तक की समय सीमा दी गई थी। प्रधान न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने कहा कि यू.एस. डिस्ट्रिक्ट जज आमिर एच. अली द्वारा जारी आदेश पर तब तक रोक रहेगी जब तक कि उच्च न्यायालय इस पर पूरी तरह से विचार नहीं कर लेता। अली ने संघीय सरकार को विदेशी सहायता पर अस्थायी रोक लगाने के उनके फैसले का अनुपालन करने का आदेश दिया था। यह फैसला गैर-लाभकारी समूहों और व्यवसायों द्वारा दायर मुकदमे में सुनाया गया था। एक अपीली पैनल ने हस्तक्षेप करने के प्रशासन के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था।

ताइवान ने की चीन की निंदा

ताइपे, एजेंसी। इस बीच ताइवान ने उसके दक्षिण-पश्चिम तट पर सैन्य अभ्यास के लिए बृहस्पतिवार को चीन की निंदा की। चीन ने स्व-शासित द्वीप के दक्षिण-पश्चिमी तट पर गोलीबारी अभ्यास करने के लिए एक क्षेत्र निर्धारित किया है। चीन इस द्वीप को अपना प्रांत मानता है, जिसे जरूरत पड़ने पर बलपूर्वक लिया जा सकता है और हाल के वर्षों में उसने ताइवान के जल एवं हवाई क्षेत्र के आसपास सैन्य गतिविधियां बढ़ा दी हैं। ताइवान के विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, चीन क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता के लिए सबसे बड़ा संकट है तथा ताइवान जलडमरूमध्य और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता के लिए वह एकमात्र और सबसे बड़ा खतरा है।

पोप फ्रांसिस की सेहत में सुधार : वेटिकन

रोम, एजेंसी। वेटिकन ने बुधवार को बताया कि डबल निमोनिया से पीड़ित पोप फ्रांसिस की सेहत में हल्का सुधार हुआ है, लेकिन डॉक्टरों का मानना है कि उनकी स्थिति अब भी पूरी तरह स्थिर नहीं है। सीटी स्कैन में संक्रमण के उपचार की सामान्य प्रगति दिखी जबकि रक्त परीक्षणों से भी सुधार की पुष्टि हुई है। सीटी स्कैन मंगलवार को किया गया था। पोप की गुर्दे की समस्या अब कम हो गई है और उनकी सांस संबंधी फिजियोथेरेपी की जा रही है। यह पहली बार है जब वेटिकन ने पुष्टि की है कि पोप को फेफड़ों से द्रव निकालने में मदद के लिए फिजियोथेरेपी दी जा रही है। उन्होंने दोपहर में अपना काम फिर से शुरू किया।

सेना को एआई-क्लाउड बेचने पर माइक्रोसॉफ्ट में प्रदर्शन

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइली सेना को एआई व क्लाउड कंप्यूटिंग सेवाएं देने के लिए हुए अनुबंधों के विरोध में माइक्रोसॉफ्ट के कर्मचारियों ने कंपनी के सीईओ सत्य नडेला की एक बैठक के दौरान प्रदर्शन किया। पिछले सप्ताह खुलासा हुआ था कि हाल में गाजा और लेबनान युद्ध के दौरान बमों से निशाना बनाने के लिए इस्राइल के सैन्य कार्यक्रम के तहत माइक्रोसॉफ्ट के महत्वपूर्ण एआई मॉडलों और ओपनएआई का इस्तेमाल किया गया था। इसके विरोध में कर्मचारियों ने उस वक्त प्रदर्शन किया जब सीईओ नडेला एक बैठक में नए उत्पादों पर बात कर रहे थे। कर्मचारियों ने अपनी टी-शर्ट पर लिखा, 'क्या हमारे कोड ने बच्चों की जान ली।

टेक्सास में खसरे के प्रकोप से अमेरिका में पहली मौत हुई

लॉस एंजेलिस, एजेंसी। यूएस के टेक्सास में खसरे के प्रकोप से पहली मौत हुई है। यह मामला एक स्कूली बच्चे का था, जिसे खसरे का टीका नहीं लगा था। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, टेक्सास के स्वास्थ्य विभाग (टीडीएसएचएस) ने बताया कि बच्चे को पिछले हफ्ते लब्बॉक के अस्पताल में भर्ती किया गया था, जहां उसकी जांच में खसरे की पुष्टि हुई। 25 फरवरी तक, टेक्सास के साउथ प्लेन्स इलाके में 124 लोगों में खसरे की पुष्टि हुई है। इनमें से ज्यादातर बच्चे हैं। टीडीएसएचएस के अनुसार, अब तक 18 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा, जिनमें से 5 को पहले से टीका लगा था, जबकि बाकी को टीका नहीं लगा था या उनकी टीकाकरण स्थिति अज्ञात थी। खसरा एक संक्रामक बीमारी है, जो सांस के जरिए फैलती है। यह उन लोगों के लिए घातक हो सकती है, जिन्हें इस बीमारी से बचाव का टीका नहीं लगा है। बुधवार को एक बैठक के दौरान अमेरिका के स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने कहा कि टेक्सास में इस प्रकोप के कारण दो लोगों की मौत हुई है, हालांकि टेक्सास और न्यू मैक्सिको के स्वास्थ्य अधिकारियों ने अब तक सिर्फ एक मौत की पुष्टि की है। साल 2024 में अमेरिका में अब तक 285 खसरे के मामले सामने आए हैं, जिनमें से लगभग आधे टेक्सास में दर्ज किए गए हैं। टेक्सास से सटे न्यू मैक्सिको के पूर्वी हिस्से में भी 9 नए मामले सामने आए हैं। यह प्रकोप अब तक 10 काउंटी में फैल चुका है। खसरे से बचाव का सबसे अच्छा तरीका टीकाकरण है। टीडीएसएचएस के अनुसार, इस बीमारी से बचाने वाला टीका दो खुराक में लगाया जाता है, जिसे आमतौर पर एमएमआर (मीजल्स-मंप्स-रूबेला) वैक्सीन के रूप में दिया जाता है। दो खुराक लेने पर खसरे से 97प्रतिशत तक सुरक्षा मिलती है।

ट्रंप कैबिनेट की पहली मीटिंग में बोले एलॉन मस्क, मुझे जान से मारने की धमकियां मिल रहीं...

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कैबिनेट की बुधवार को पहली मीटिंग हुई. इस बैठक में डीओजीई प्रमुख अरबपति कारोबारी एलॉन मस्क ने भी शिरकत की. इस बीच उन्होंने कैबिनेट को बताया कि उन्हें जान से मारने की ढेरों धमकियां मिल रही हैं. व्हाइट हाउस में जैसे ही कैबिनेट की बैठक शुरू हुई. ट्रंप ने मस्क से डीओजीई के कामकाज को लेकर सवाल किया. इस पर मस्क ने कहा कि वह विभाग में बहुत मेहनत से काम कर रहे हैं. हमें बहुत सारा सरकारी पैसा बचाना है. डीओजीई की टीम इसी काम में लगी हुई है. हमारा उद्देश्य बेतहाशा सरकारी खर्चों पर लगाम लगाना ही है. अगर हम ऐसा नहीं करेंगे तो अमेरिका दिवालिया हो जाएगा. मस्क ने कहा कि राष्ट्रहित के इस का के लिए मुझे जान से मारने की धमकियां भी मिल रही हैं. इस समय हमारा देश 2 ट्रिलियन डॉलर के घाटे में है. लेकिन मेरा मानना है कि हम गलतियां करते हैं. डीओजीई भी गलतियां करेगा क्योंकि हम परफेक्ट नहीं है. लेकिन जब हम गलती करते हैं, तो उस गलती को कितनी जल्दी दुरुस्त करते हैं. ये बड़ा सवाल है.

सरकार को टेक सपोर्ट दे रहे हैं मस्क : इस दौरान एलन मस्क ने मजाकिया लहजे में खुद को सरकारी टेक सपोर्ट कहा। उन्होंने बताया कि कई सरकारी सिस्टम बहुत पुराने हैं, जिनमें सुधार किया जा रहा है। हमारा मुख्य लक्ष्य अमेरिका के बढ़ते घाटे को कम करना है। अगर हमने अभी कदम नहीं उठाए तो देश दिवालिया हो सकता है। एलन मस्क ने कहा कि देश 2 लाख करोड़ डॉलर के घाटे को और सहन नहीं कर सकता।

डीओजीई की गलतियों पर मस्क का जवाब : एलन मस्क ने स्वीकार किया कि सरकारी दक्षता विभाग गलतियां करेगा, लेकिन उन्हें जल्दी सुधार लिया जाएगा। इस दौरान उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि गलती से इबोला रोकथाम कार्यक्रम बंद कर दिया गया था, लेकिन तुरंत इसे बहाल कर दिया गया। मस्क ने आगे कहा कि, हमारी कोशिश है कि 2026 तक सरकार का घाटा एक ट्रिलियन डॉलर कम किया जाए। इसके लिए हर दिन 4 अरब डॉलर बचाने होंगे। लेकिन हम इसे कर सकते हैं और करेंगे।

सरकारी कर्मचारियों में गुस्सा, विरोध और इस्तीफे : सरकारी दक्षता विभाग की नीतियों के कारण कई सरकारी कर्मचारियों ने इस्तीफा दे दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकारी दक्षता विभाग के 30प्रतिशत टेक्नोलॉजी स्टाफ ने यह कहकर नौकरी छोड़ी कि वे देश को खतरे में डालने वाले फैसलों का समर्थन नहीं कर सकते। एक आंकड़े के मुताबिक, अब तक करीब एक लाख सरकारी कर्मचारी या तो निकाल दिए गए हैं या स्वेच्छा से इस्तीफा दे चुके हैं। सरकारी कर्मचारियों के सबसे बड़े संगठन अमेरिकन फेडरेशन ऑफ गवर्नमेंट एम्प्लॉइज ने मस्क की नीतियों को अवैध और खतरनाक बताया है और कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी दी है।

ट्रंप ने दिया मस्क को अपना समर्थन इस कैबिनेट बैठक के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने एलन मस्क को अपना समर्थन दिया। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा, अगर कोई मस्क से नाखुश है, तो हम उसे यहां से बाहर फेंक देंगे! डोनाल्ड ट्रंप ने मस्क की तारीफ करते हुए कहा, वह बहुत मेहनत कर रहे हैं। कुछ लोग उनसे असहमत हैं, लेकिन ज्यादातर लोग बहुत खुश हैं।

हमास ने गाजा में 4 इजरायली बंधकों के शव रेड क्रॉस को सौंपे

गाजा, एजेंसी। हमास ने गाजा में रेड क्रॉस को चार इजराइली बंधकों के शव सौंप दिए. यह रिहाई उनके युद्ध विराम के पहले चरण के खत्म होने से कुछ दिन पहले हुई है. इजराइल ने हमास द्वारा बंधकों को सौंपे जाने के दौरान उनके साथ किए गए क्रूर व्यवहार के विरोध में शनिवार से 600 से अधिक फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई में देरी की. हमास के लड़ाकों ने इस देरी को युद्ध विराम का गंभीर उल्लंघन बताया और कहा कि जब तक फिलिस्तीनियों को मुक्त नहीं कर दिया जाता, तब तक दूसरे चरण की वार्ता संभव नहीं है. इस बीच, काफी संख्या में रिहा किए गए फिलिस्तीनी कैदियों को ले जाने वाले रेड क्रॉस के काफिले को इजराइल की ओफर जेल से निकलते देखा गया. इस हस्तांतरण से युद्ध विराम के पहले चरण के तहत दोनों पक्षों के दायित्व पूरे हो जाएंगे. इजराइली त्साची इदान के परिवार ने कहा कि उन्हें सूचित किया गया कि वह मर चुका है और उसका शव लौटाए गए लोगों में शामिल है. इदान को किबुत्ज नाहल ओज से ले जाया गया था और उसकी सबसे बड़ी बेटी मयान की हत्या कर दी गई थी, जब लड़ाकों ने दरवाजे से गोली चलाई थी. हमास लड़ाकों ने फेसबुक पर खुद को प्रसारित किया कि वे एक परिवार को उनके घर में बंधक बनाए हुए हैं, जबकि दो छोटे बच्चे उन्हें छोड़ देने की गुहार लगा रहे हैं. फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इजराइली-फ्रांसीसी बंधक ओहाद याहलोमी के बारे में एक्स पर पोस्ट किया जिनके शव को भी सौंपने की उम्मीद है. उन्होंने कहा, दर्द और पीड़ा के इन घंटों में राष्ट्र उनके साथ खड़ा है. यह नवीनतम रिहाई शिरी बिबास और उनके बेटों, नौ महीने के केफिर और चार वर्षीय एरियल के शवों को इस महीने की शुरुआत में सौंपे जाने के बाद हुई है. युद्ध विराम का छह सप्ताह का पहला चरण इस सप्ताह समाप्त हो रहा है।

दुबई गई छात्राओं ने नोटबुक के पन्नों में छिपा रखे थे 4 लाख डॉलर

दुबई, एजेंसी। कस्टम विभाग ने दुबई जा रही तीन लड़कियों से 4 लाख डॉलर यानी करीब 3.47 करोड़ रुपये बरामद किए हैं। इन ग्रेजुएशन छात्रों ने नोटबुक के पन्नों के बीच इतनी बड़ी रकम छिपा रखी थी। सीमा शुल्क अधिकारियों को संदेह है कि यह विदेशी मुद्रा हवाला के जरिए दुबई भेजी जा रही थी। हवाला रैकेट ने विदेशी मुद्रा की तस्करी के लिए 20 वर्षीय छात्रों का इस्तेमाल किया है। इस मामले में पुणे से ट्रैवल एजेंट खुशबू अग्रवाल और मुंबई से एक विदेशी मुद्रा व्यापारी को गिरफ्तार किया गया है। ट्रैवल एजेंट ने इन छात्रों के लिए दुबई की यात्रा बुक की थी। पुणे कस्टम्स के अनुसार, अधिकारियों को पहले ही सूचना मिल गई थी कि तीन छात्र नोटबुक में छिपाकर बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा की तस्करी करने की कोशिश कर रहे हैं। भारतीय अधिकारियों के अनुरोध पर दुबई पहुंचने के बाद तीनों छात्रों को वापस भारत भेज दिया गया। 17 फरवरी को दुबई से पुणे आ रहे इन तीनों छात्रों को पुणे एयरपोर्ट पर रोक लिया गया। एयर इंटेलिजेंस यूनिट (एआईयू) के अधिकारियों ने उनकी गहन तलाशी ली। तलाशी में उन्हें 400,100 डॉलर मिले। ये 100 डॉलर के नोट कई नोटबुक के पन्नों के बीच छिपाए गए थे, जो इन छात्रों के बैग में थे। तीनों छात्र स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहे हैं। एयर इंटेलिजेंस यूनिट के अधिकारियों द्वारा पूछताछ के दौरान पता चला कि उसने पुणे की एक ट्रैवल एजेंट खुशबू अग्रवाल के माध्यम से अपनी यात्रा बुक कराई थी।

वेनेजुएला को ट्रंप का बड़ा झटका, तेल निकालने व निर्यात करने से जुड़ा परमिट होगा रद्द

काराकास, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को एलान किया ऊर्जा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी शेवरॉन कॉरपोरेशन को वेनेजुएला से तेल निकालने और निर्यात करने की अनुमति देने वाला अमेरिकी सरकार का परमिट इस सप्ताह समाप्त कर दिया जाएगा। इसके साथ ही दक्षिण अमेरिकी देश के लिए वित्तीय जीवनरेखा बन चुका यह परमिट भी समाप्त हो जाएगा।

ट्रम्प ने अपने ट्रुथ सोशल नेटवर्क पर घोषणा करते हुए राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सरकार पर पिछले वर्ष जुलाई में हुए राष्ट्रपति चुनाव के लिए लोकतांत्रिक शर्तों को पूरा नहीं करने और निर्वासन के लिए तैयार वेनेजुएला के अप्रवासियों को वापस भेजने के लिए पर्याप्त तेजी से कदम नहीं उठाने का आरोप लगाया है। ट्रम्प ने लिखा, हम तेल लेनदेन समझौते पर वेनेजुएला के निकोलस मादुरो को चतुर जो बाइडन ने जो रियायतें दी थीं, उन्हें हम वापस ले रहे हैं। ट्रम्प के पोस्ट में विशेष रूप से कैलिफोर्निया स्थित शेवरॉन का उल्लेख नहीं था, न ही परमिट का, जिसे औपचारिक रूप से सामान्य लाइसेंस के रूप में जाना जाता है। यह लाइसेंस कंपनी को आर्थिक प्रतिबंधों से छूट देता है और इसे अमेरिका में वेनेजुएला के तेल का निर्यात और बिक्री करने की अनुमति देता है। लेकिन यह वेनेजुएला से संबंध रखने वाला एकमात्र लाइसेंस है, जिसके जारी होने और नवीनीकरण की जानकारी उन तारीखों से मेल खाती है, जिनका उल्लेख ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में किया था। राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने 2022 में लाइसेंस को अधिकृत किया था, जब मादुरो ने लोकतांत्रिक चुनाव के लिए वेनेजुएला के राजनीतिक विपक्ष के साथ काम करने पर सहमति व्यक्त की थी। लेकिन जुलाई 2024 में होने वाला चुनाव न तो निष्पक्ष था और न ही स्वतंत्र, और मादुरो को पिछले महीने

तीसरे छह साल के कार्यकाल के लिए शपथ दिलाई गई, जबकि विश्वसनीय सबूत थे कि उनके प्रतिद्वंद्वी को अधिक वोट मिले थे। बाइडन की सरकार ने महीनों तक वेनेजुएला के विपक्ष और अन्य लोगों द्वारा लाइसेंस रद्द करने के आह्वान का विरोध किया था कहा था कि उसका लक्ष्य लोकतंत्र की बहाली का समर्थन करना है। विपक्ष ने अनुमान लगाया है कि मादुरो की सरकार को परमिट के जरिए लगभग 4 बिलियन डॉलर मिले हैं, जिसे शनिवार को नवीनीकृत किया जाना था। समय के साथ, यह लाइसेंस वेनेजुएला के तेल उत्पादन के लगभग एक चौथाई के लिए जिम्मेदार बन गया है। शेवरॉन के प्रवक्ता बिल टुरेन ने एक बयान में कहा, हम आज की घोषणा से अवगत हैं और इसके निहितार्थों पर विचार कर रहे हैं। शेवरॉन वेनेजुएला में अपना व्यवसाय सभी कानूनों और विनियमों के अनुपालन में करता है, जिसमें अमेरिकी सरकार द्वारा प्रदान किए गए प्रतिबंध ढांचे भी शामिल हैं। वेनेजुएला दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडारों में से एक वेनेजुएला दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडारों में से एक है और एक समय में इसने लैटिन अमेरिका की सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था को शक्ति देने के लिए इसका इस्तेमाल किया था। लेकिन भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन और अंततः अमेरिकी आर्थिक प्रतिबंधों के कारण उत्पादन में लगातार गिरावट आई। 2013 से अब तक 7.7 मिलियन से ज्यादा वेनेजुएलावासी अपना देश छोड़ चुके हैं, जब तेल पर निर्भर अर्थव्यवस्था चरमरा गई और मादुरो राष्ट्रपति बन गए। ज्यादातर लोग लैटिन अमेरिका और कैरिबियन में बस गए, लेकिन महामारी के बाद, उन्होंने अपना रुख अमेरिका की ओर किया। बुधवार की घोषणा को वेनेजुएला के उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने हानिकारक और समझ से परे बताया। उन्होंने कहा कि इस फैसले ने मादुरो की सरकार की उम्मीद को खत्म कर दिया।

गाजा प्रशासन को अपने नियंत्रण में नहीं लेगा मिस्र, खारिज किया इजरायल का प्रस्ताव

काहिरा, एजेंसी। मिस्र ने गाजा पट्टी की अस्थायी प्रशासनिक जिम्मेदारी संभालने के किसी भी प्रस्ताव को सख्ती से खारिज कर दिया है। उसने स्पष्ट किया है कि वह इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष के स्थायी और व्यापक समाधान के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मिस्र की आधिकारिक मिडिल ईस्ट न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मिस्र के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता तमीम खलफ ने कहा कि ऐसे किसी भी प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जा सकता जो मिस्र और अरब देशों के स्थापित रुख और संघर्ष के मूल कारणों को नजरअंदाज करता हो।

सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने इन प्रस्तावों को अधूरा समाधान बताया, जो संघर्ष को समाप्त करने के बजाय उसे और लंबा खींच सकते हैं। खलफ ने यह भी स्पष्ट किया कि फिलिस्तीनी इलाके एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। गाजा पट्टी, वेस्ट बैंक और पूर्वी यरुशलम भविष्य के फिलिस्तीनी राज्य की जमीन हैं और इन पर केवल फिलिस्तीन का संप्रभुत्व और प्रशासन होना चाहिए। इजरायली विपक्ष के नेता याइर लापिद ने हाल ही में सुझाव दिया

कि युद्ध के बाद गाजा का प्रशासन कम से कम आठ वर्षों तक मिस्र को दिया जाए। इसके बदले अंतरराष्ट्रीय समुदाय मिस्र के विदेशी कर्ज को चुकाने में मदद करे। उन्होंने एक सुरक्षा व्यवस्था का प्रस्ताव भी रखा, जिसमें इजरायल, मिस्र, अमेरिका और अरब देश मिलकर गाजा की सुरक्षा व्यवस्था को संभालें। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह व्यवस्था कैसे काम करेगी। मिस्र पहले भी 1948 से 1967 तक गाजा का प्रशासन देख चुका है। हालांकि, उन्होंने यह स्वीकार किया कि उन्होंने इस प्रस्ताव पर मिस्र के अधिकारियों से सीधे बातचीत नहीं की है, लेकिन क्षेत्र के अन्य नेताओं से चर्चा की है। लापिद के प्रस्ताव के अनुसार, जिसे उन्होंने 8 बिंदुओं के प्लान के रूप में पेश किया है, जब तक गाजा में अंतिम समझौता नहीं हो जाता, तब तक मौजूदा युद्ध विराम जारी रहेगा। इस दौरान सभी बंधकों की रिहाई होगी और इजरायली सेना गाजा की बाहरी सीमाओं पर तैनात रहेगी। इस योजना में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव के तहत मिस्र को गाजा का प्रशासन सौंपने की बात भी शामिल है जिसमें आंतरिक सुरक्षा और नागरिक मामले शामिल हैं। मिस्र पहले ही अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस प्रस्ताव को ठुकरा चुका है, जिसमें अमेरिका के गाजा का नियंत्रण संभालने, वहां के निवासियों को मिस्र और जॉर्डन भेजने और मध्य पूर्व में कथित तौर पर रिवेरा बनाने की योजना थी। मिस्र, जॉर्डन और अन्य अरब देशों ने इस प्रस्ताव की निंदा की है जिसमें फ़िलिस्तीनियों को उनकी पुरानी जमीन से हटाने की बात है।

ट्रंप शासन में अब तक 20 हजार से अधिक अवैध प्रवासी पकड़े गए: अमेरिकी सरकार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यभार संभालने के पहले महीने में 20,000 से अधिक अवैध अप्रवासियों को गिरफ्तार किया गया. होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट ने इसकी जानकारी दी. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप प्रशासन ने उनके शपथग्रहण के तुरंत बाद ही इमिग्रेशन पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया था. पदभार संभालने के पहले कुछ सप्ताहों के दौरान प्रतिदिन गिरफ्तारियों की संख्या को सार्वजनिक कर दिया गया. रिपोर्ट के अनुसार बाइडेन के कार्यकाल में यूएस इमिग्रेशन एंड कस्टम्स इंफोर्समेंट की ओर से इस संबंध में की गई कार्रवाई के मुकाबले ट्रंप के शासन में कई गुना अधिक तेजी से कार्रवाई की गई. होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट की सचिव क्रिस्टी नोएम ने बुधवार को एक बयान में कहा, लाखों अपराधियों को अवैध रूप से इस देश में आने दिया गया. हम उन्हें घर भेज रहे हैं और उन्हें कभी वापस नहीं आने दिया जाएगा. कुछ वरिष्ठ अधिकारियों ने गिरफ्तारियों की गति पर निराशा व्यक्त की है, जिसके परिणामस्वरूप 22 फरवरी को कार्यवाहक इमिग्रेशन एंड कस्टम्स इंफोर्समेंट निदेशक कालेब विटेलो को हटा दिया गया. मामले से परिचित कई लोगों के अनुसार राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस पद के लिए विटेलो का चयन किया था. इससे पहले कैबिनेट बैठक के दौरान ट्रंप ने कहा कि उनके प्रशासन ने पिछले 50 वर्षों में देश में सबसे कम संख्या में अवैध प्रवासियों के प्रवेश का रिकॉर्ड बनाया

है. उन्होंने कहा, हमें सीमा गश्ती दल और इमिग्रेशन एंड कस्टम्स इंफोर्समेंट एजेंटों से भी जबरदस्त समर्थन मिल रहा है. वास्तव में हमने अपने देश में आने वाले अवैध विदेशियों और प्रवासियों की सबसे कम संख्या का रिकॉर्ड बनाया है, जो कि 50 से अधिक वर्षों में हमारे देश में आया है. ट्रंप ने बताया कि कैसे दुनिया भर से लोग अमेरिका में घुस रहे थे और कैसे अमेरिकी सीमा पर तैनात सुरक्षा बलों ने उन्हें रोका. उन्होंने याद किया कैसे दुनिया भर से लोग अमेरिका में घुस रहे थे. उनका कहना है कि वे जेलों, मानसिक संस्थानों और पागलखानों से आ रहे थे. इनमें से कई गिरोह के सदस्य और ड्रग्स डीलर भी थे. जो भी अमेरिका में आना चाहता था वो आ सकता था. अवैध अप्रवासी सिर्फ दक्षिण अमेरिका से ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया से आए. इसलिए उन्होंने जो किया है वह अद्भुत है. ट्रंप ने आगे कहा कि वह चाहते हैं कि लोग अमेरिका में आएं लेकिन कानूनी तरीके से।

बांग्लादेश में आंदोलनाकारी छात्र आज नई पार्टी बनाएंगे

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के सलाहकार और छात्र नेता नाहिद इस्लाम ने अपना नया राजनीतिक संगठन शुरू करने की चर्चाओं के बीच मोहम्मद यूनुस सरकार से इस्तीफा दे दिया है. इस्लाम ने मंगलवार दोपहर को यूनुस से उनके ऑफिस में मुलाकात की और उन्हें अपना त्यागपत्र सौंप दिया. इस्लाम ने यूनुस को लिखे अपने पत्र में लिखा है, वर्तमान परिस्थितियों में राष्ट्र और उसके लोगों के हित में मुझे देश में छात्र आबादी के साथ खड़ा होना चाहिए. इसलिए मुझे लगता है कि मुझे अपना इस्तीफा दे देना चाहिए. बांग्लादेश में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से बेदखल करने वाले आंदोलनकारी छात्र नई पार्टी बनाने जा रहे हैं। कल यानी शुक्रवार, 28 फरवरी को इस पार्टी का ऐलान किया जाएगा। मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार में शामिल छात्र नेता नाहिद इस्लाम ने पद से इस्तीफा दे दिया है। वे नई पार्टी के साथ जुड़ेंगे। ये पार्टी शुक्रवार को एक रैली के साथ अपनी शुरुआत करेगी। पार्टी के गठन के लिए जातीय नागरिक समिति (जातिओ नागोरिक समिति) का गठन किया गया है। समिति की प्रवक्ता समंता शर्मीन ने एएनआई से कहा- जुलाई 2024 के विद्रोह के बाद, बांग्लादेश में नई आशाएं और आकांक्षाएं पैदा हुईं। इन्हीं उम्मीदों को ध्यान में रखते हुए छात्रों ने एक नया राजनीतिक दल बनाने की पहल की है। नाहिद इस्लाम ने ये फैसला छात्र नेताओं द्वारा एक नया राजनीतिक संगठन शुरू करने की चर्चाओं के बीच लिया है. नाहिद को पिछले साल दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सलाहकार के रूप में मोहम्मद यूनुस सरकार में शामिल किया गया था. बताया जा रहा है कि शेख हसीना सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले

छात्र अपनी नई पॉलिटिकल पार्टी बनाने का प्लान बना रहे हैं. बुधवार को छात्र नेता एक कार्यक्रम में अपनी नई पार्टी की शुरुआत कर सकते हैं. इस्लाम करेंगे पार्टी का नेतृत्व! जानकारी के अनुसार, छात्र नेता और अंतरिम सरकार में अहम जिम्मेदारी निभाने वाले नाहिद इस्लाम संयोजक के रूप में नई पार्टा का नेतृत्व करेंगे. साथ ही उन्होंने पिछले दिनों साफ कर दिया था कि अगर उन्हें चुनाव लड़ने के लिए पार्टी बनानी पड़ी तो वह पार्टी का गठन करेंगे. बांग्लादेश के चुनाव आयोग ने रविवार को कहा कि अंतरिम सरकार द्वारा देश के अंदर कई बड़े सुधारों के लिए दो समयसीमाएं तय की गई हैं. दिसंबर में बड़े सुधारों की स्थिति में जून 2026 के आधार पर आम चुनावों की तैयारियां चल रही हैं. जल्द होंगे बांग्लादेश में चुनाव सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन ने कॉक्स बाजार में जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ चर्चा के दौरान यह टिप्पणी की. नसीर उद्दीन ने कहा कि अंतरिम सरकार ने दिसंबर तक या अगले साल जून तक चुनाव के लिए दो समयसीमा तय की है. रिपोर्ट में उनके हवाले से कहा गया है, फिलहाल चुनाव आयोग का पहला लक्ष्य एक सटीक मतदाता सूची तैयार करना है. 16 लाख मृत मतदाता हैं. उन्हें सूची से बाहर करने की जरूरत है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक: सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उत्तराखंड में बर्फ का पहाड़ टूटा 57 मजदूर फंसे, 32 बचाए गए

6 फीट तक जमी बर्फ के बीच 25 लापता, रेस्क्यू रोका

उत्तराखंड के चमोली में शुक्रवार सुबह 7.15 बजे एवलांच हुआ था। जिसमें बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन (BRO) के 57 मजदूर दब गए थे। रेस्क्यू में जुटी सेना, ITBP, BRO, SDRF और NDRF की टीम ने शाम तक 32 मजदूरों को बाहर निकाला। 3200 मीटर से ज्यादा की ऊंचाई पर 6 फीट जमी बर्फ के बीच बाकी के 25 मजदूरों की तलाश जारी है। यह घटना बद्रीनाथ से 3 किलोमीटर दूर चमोली के माणा गांव में हुई है। हादसे के दौरान सभी मजदूर 8 कंटेनर और एक शेड में मौजूद थे।

NDRF, SDRF, ITBP, ARMY और BRO की टीमें मजदूरों के रेस्क्यू में जुटी हुई हैं।

रेस्क्यू किए गए सभी मजदूरों को माणा गांव में आईटीबीपी कैंप लाया गया है। यहां उनका इलाज चल रही है। 4 लोगों की हालत गंभीर है। फिलहाल खराब मौसम के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन रोक दिया गया है। पूरे इलाके में तेज बर्फबारी हो रही है।

हादसे को लेकर उत्तराखंड के CM पुष्कर सिंह धामी ने SDRF के अधिकारियों के साथ बैठक की। गृह मंत्री अमित शाह और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने घटना को लेकर उत्तराखंड के CM, सेना, ITBP और NDRF के अधिकारियों से बातचीत की। माणा तिब्बत सीमा पर भारत का आखिरी गांव है।

उत्तराखंड में भारी बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने 28 फरवरी की देर रात तक उत्तराखंड में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया। मौसम विभाग के मुताबिक इस दौरान 20 ष्टरू तक बारिश हो सकती है। चमोली DM संदीप तिवारी ने बताया कि घटनास्थल पर लगातार बारिश और बर्फबारी हो रही है, इसलिए हम हेलिकॉप्टर नहीं भेज पा रहे हैं।

SDRF की IG रिधिमा अग्रवाल ने BRO कमांडेंट के हवाले से बताया कि घटना बद्रीनाथ धाम के पास की है। SDRF की एक टीम जोशीमठ से रवाना हो चुकी है। लामबगड़ में सड़क ब्लॉक है। सेना उसे खोलने में लगी हुई है। दूसरी टीम को सहस्त्रधारा हेलीपैड पर अलर्ट पर रखा गया है। SDRF की ड्रोन टीम भी अलर्ट पर है। ITBP कमांडेंट पीयूष पुष्कर ने कहा– हमारी 90 जवानों की 23 बटालियन माणा में तैनात हैं। पिछले दो दिनों से इस इलाके में मौसम खराब है। शुक्रवार सुबह से ही इलाके में भारी बर्फबारी हो रही है। इस वजह से माणा में एवलांच हुआ। इसमें बीआरओ कैंप को नुकसान पहुंचा है।

सेल्फ मेकअप वर्कशॉप का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा गुरुवार को सेल्फ मेकअप वर्कशॉप का आयोजन सिटी लाइट स्थित अग्रसेन पैलेस के वृंदावन हॉल में दोपहर दो बजे से किया गया। महिला शाखा की अध्यक्षा सोनिया गोयल ने बताया कि यह अपने आप में एक अनोखी वर्कशॉप थी। वर्कशॉप में मैंटोर बिंदिया मल्होत्रा द्वारा हम अपने ही मेकअप प्रोडक्टस से कैसे खुद ही परफेक्ट मेकअप कर सकते हैं यह सिखाया गया। वर्कशॉप में महिलाओं ने सीखते सीखते ही खुद अपने ही प्रोडक्ट से अपना स्वयं का मेकअप किया। जिसे करके महिलाएं बहुत ही प्रसन्न नजर आई और साथ ही उनका फोटो शूट भी करवाया गया। इस कार्यक्रम में रुचिका रुंगटा, सीमा कोकड़ा, प्रीति गोयल, निशा केडिया, सरोज अग्रवाल सहित महिला शाखा की अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं।

''होली के रंग, श्रीहरि के संग'' फाल्गुन महोत्सव दो मार्च को

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,एकल श्री हरि सत्संग समिति के वार्षिक महोत्सव के उपलक्ष में ''होली के रंग, श्रीहरि के संग'' फाल्गुन महोत्सव का आयोजन रविवार, दो मार्च को किया जाएगा। एकल श्री हरि के राष्ट्रीय अध्यक्ष सीए महेश मित्तल ने बताया कि आयोजन में समारोह अध्यक्ष के रूप में जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल उपस्थित रहेंगे। समिति के अध्यक्ष रमेश अग्रवाल (विनायक) ने बताया कि आयोजन में राजस्थान के मुकुंदगढ़ से आमंत्रित अंतर्राष्ट्रीय कलाकार संजय एंड पार्टी अपने पंद्रह लोगों की टीम के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुति देगी। कार्यक्रम में लोग राजस्थानी रंग में रंगे हुए पारंपरिक पोशाक में उपस्थित रहेंगे। आयोजन में छ: हज़ार लोगों के बैठने की व्यवस्था की जाएगी। कार्यक्रम में सभी के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई है।

शिव शक्ति मार्केट के व्यापरियों के लिए रिलीफ फंड की घोषणा

फोस्टा द्वारा आग की घटना के बाद

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, फेडरेशन ऑफ़ सूरत ट्रेड एंड टेक्सटाइल एसोसिएशनस (फोस्टा) ने शिव शक्ति मार्केट में हाल ही में हुई आगजनी से प्रभावित व्यापारियों की सहायता के लिए शिव शक्ति मार्केट रिलीफ फंड की घोषणा की है। इस फंड का उद्देश्य व्यापारियों को वित्तीय मदद प्रदान करना है।

व्यापारिक समुदाय का सहयोग आवश्यक

फोस्टा सभी विवर्स, एम्ब्रॉयडरी व्यापारियों, यार्न व्यवसायियों, मिल मालिकों, डिजिटल प्रिंट व्यापारियों, एजेंटों, आढ़तियों और बाहरी मंडी के व्यापारियों से इस राहत कार्य में सहयोग देने की अपील करता है। वर्षों से सूरत के व्यापार का हिस्सा रहे सभी व्यावसायिक समुदायों को इस कठिन समय में एकजुट होकर सहायता करनी होगी। फोस्टा के डायरेक्टर एवं द्वारा व्यक्तिगतरूप से रूपये 11 लाख शिव शक्ति मार्केट रिलीफ फंड में देने की घोषणा की है। दिनेश राजपुरोहित द्वारा रूपये 1 लाख शिव शक्ति मार्केट रिलीफ फंड में देने की घोषणा की है।

योगदान कैसे करें?

- एक मिस्ड कॉल नंबर जारी किया जाएगा। शिवशक्ति मार्केट रिलीफ फंड (MISS CALL NO: 07941055789)
- मिस्ड कॉल देने पर, SMS के माध्यम से रिलीफ फंड के बैंक अकाउंट नंबर की जानकारी प्राप्त होगी।
- इच्छानुसार कम से कम 5000 या उससे अधिक की राशि सीधे बैंक खाते में जमा की जा सकती है।

फंड की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए 11 सदस्यों की एक समिति गठित की गई है

- इसमें 4 व्यापारी शिव शक्ति मार्केट से होंगे।
- शेष सदस्य अन्य टेक्सटाइल ओर्गेनाईजेशन और फोस्टा से जुड़े सेवाभावी व्यापारी एवं सामाजिक अग्रणी होंगे।
- यह समिति यह सुनिश्चित करेगी कि संपूर्ण दान राशि सही और जरूरतमंद व्यापारियों तक पहुंचे।

व्यापारी संगठनों से अपील

फोस्टा सभी व्यापारी संगठनों से इस राहत कार्य में सहयोग करने की अपील करता है। यह केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि हमारे व्यापारिक समुदाय की एकता और सहयोग की मिसाल होगी।